वर्षः 7- अंकः 139, मुंबई, शनिवार, 22 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

एक लड़की से डरी शिवसेना !

मुंबई, तुला माझ्यावर भरोसा नाय का! के बाद और गाने बनाने की धमकी आरजे मलिष्का ने दी

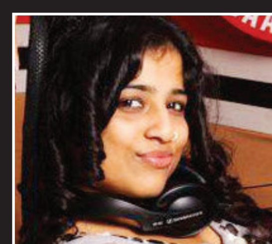

मुंबई। सड़कों पर गड्ढों और ट्रैफिक के मुद्दे पर बनाए गए पैरोडी गाने से शुरू हुई आरजे मलिष्का और बीएमसी के बीच का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब नाराज शिवसेना मलिष्का के घर में हुए कथित अवैध निर्माण पर नोटिस भेजने की बात कह रही है। वहीं, आरजे ने भी ट्वीट कर छह और गाने तैयार होने की बात कह कर बीएमसी और शिवसेना को चुनौती दे दी है। एक दिन पहले ही बीएमसी ने मलिष्का के घर की जांच कर उनकी मां को नोटिस थमा दिया था, जिसमें डेंगू के लार्वा पाए जाने का दावा किया गया था।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

गोरक्षकों के खिलाफ ओवैसी ने उठाई आवाज

नई दिल्ली। औसतन हर महीने हिंसक भीड़ की ऐसी बर्बरता हिंदुस्तान को शर्मसार कर रही है और इंसानियत का गला घोंट रही है। प्रधानमंत्री तक ने गोरक्षा के नाम पर तथाकथित गोरक्षकों को बार-बार अल्टीमेटम दिया है लेकिन नतीजा अबतक शून्य बटा सन्नाटा ही रहा है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

9 करोड़ का सोना लूटा

24 घंटे पहले ही शहर में हुई थी बैंक डकैती

जयपुर। बैंक में 15 लाख की डकैती के 24 घंटे बाद ही शहर में लूट की बड़ी वारदात हो गई। शुक्रवार को मानसरोवर इलाके की मुथूट फाइनेंस कंपनी से 31 किलोग्राम सोना लूट लिया गया। चार बदमाशों ने महज 20 मिनट में लूट को अंजाम दिया। लूटे गए सोने की कीमत 9 करोड़ रुपए बताई गई है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बीस मिनट में दिया लूट को अंजाम : बदमाशों ने इतनी बड़ी लूट को महज 20 मिनट में अंजाम दिया। बदमाशों ने इतनी तेजी से काम किया कि किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। बदमाशों के जाते ही कर्मचारियों ने हल्ला मचाकर आस-पास के लोगों को बुलाया। पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में पुलिस पहुंची। नाकाबंदी कराई। एफएसएल टीम ने मौके का मुआयना किया।

सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश : ऑफिस में लगे सीसीटीवी में लूट की वारदात कैद हुई है। चार में से दो बदमाशों ने हेल्मेट लगा रखा था। एक ने चेहरे को रूमाल से ढंका था जबकि एक का चेहरा खुला हुआ था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। बदमाश दो बाइकों पर आए थे और वारदात के बाद इन्हीं पर फरार भी हो गए।

बदमाश 15 लाख रुपए ले गए थे : बता दें कि गुरुवार को ही आदर्शनगर इलाके में यूको बैंक की एक ब्रांच मे डकैती हुई थी। यहां से बदमाश 15 लाख रुपए ले गए थे। पुलिस अभी इस केस की जांच कर ही रही थी कि शुक्रवार को सोने की लूट की वारदात हो गई।

BJP भारत छोड़ो

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी 9 अगस्त से बीजेपी भारत छोड़ो आंदोलन शुरू करेगी। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने शुक्रवार को कोलकाता में पार्टी की एक बड़ी रैली की। केंद्र सरकार हमारी सरकार को सारदा और नारदा स्कैम में फंसाने की धमकी देकर डराने की कोशिश कर रही है लेकिन हम ये बता देना चाहते हैं कि हम उनसे नहीं डरते।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जो बीजेपी का विरोधी, वो हमारा साथी

बीजेपी के खिलाफ जो भी लड़ेगा, वो हमारा साथी है। हम सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल के अलावा और भी उन नेताओं का साथ देंगे जो बीजेपी के खिलाफ लड़ेगा। मोदी सरकार की फॉरेन पॉलिसी का जिक्र करते हुए ममता ने कहा जब से बीजेपी की सरकार केंद्र में आई है, तब से हमारे पड़ोसी देशों से रिश्ते बदतर हुए हैं। हम क्यों नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से रिश्ते सुधारते। केंद्र सरकार सीबीआई और ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कॉलेज के गर्ल्स वॉशरूम में लगाया था कैमरा, गिरफ्तार हुआ चपरासी

मुंबई, पुलिस ने विक्रोली के एक नामी कॉलेज के चपरासी को इंस्टिट्यूट के लेडीज वॉशरूम में लड़कियों के विडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया। विजय शिवथरे की यह हरकत तब सामने आई जब एक छात्रा ने वॉशरूम में ऐक्टिव कैमरे वाले एक फोन को पकड़ा। 29 साल के आरोपी शिवथरे को बुधवार रात उसके घर से गिरफ्तार किया गया। शिवथरे पिछले एक साल के कॉलेज में काम कर रहा था। सुबह 9.30 बजे कॉलेज की एक स्टूडेंट वॉशरूम गई तो उसे कार्डबोर्ड के टुकड़ों और ईंट के पीछे एक काले रंग का शीशा देखा। उसने कार्डबोर्ड के कुछ टुकड़े हटाए तो उसे एक फोन दिखाई दिया। वह कैमरे वाले इस फोन को वहां लगा देखकर हैरान रह गई। एक जांच अधिकारी ने बताया कि स्टूडेंट मोबाइल लेकर अपनी टीचर के पास गई और टीचर ने कॉलेज अथॉरिटी को इस बारे में बताया। विक्रोली पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर श्रीधर ने बताया कि पहला शक चपरासी पर ही जा रहा था क्योंकि वही कॉलेज टाइम से पहले और बाद में भी सभी वॉशरूमों में जा सकता था। जब फोन ऑपरेट किया तो शक यकीन में बदल गया क्योंकि फोन में शिवथरे के दोस्तों और घर वालों के नंबर थे।

ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए सरकार बना रही नीति

मुंबई, ऑनलाइन दवाओं की बिक्री को नियंत्रित करने के लिए सरकार नीति बना रही है। गुरुवार को सरकारी वकील प्रिय भूषण काकडे ने हाईकोर्ट को यह जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने इस संबंध में अन्न व औषध प्रशासन (एफडीए) विभाग के एक अधिकारी का हलफनामा भी दायर किया। हलफनामे में साफ किया गया है कि सरकार ने अवैध रुप से ऑनलाइन दवाई बेचनेवाली वेबसाइट के खिलाफ कार्रवाई की है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश मंजूला चिल्लूर व न्यायमूर्ति नितिन जामदार की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। इस दौरान सरकारी वकील काकडे ने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है। सरकार मामले से जुड़े सभी संबंधित लोगों से बातचीत करके नीति तैयार कर रही है। इस पर खंडपीठ ने कहा कि सरकार की नीति आने के बाद हम याचिका को समाप्त कर देंगे।

हलफनामे में यह दी जानकारी

हलफनामे में कहा गया है कि सरकार ऑनलाइन दवाओं के लिए एक ई पोर्टल नामक प्लेट फार्म बना रही है। जिसमें सभी दवा विक्रेताओं को पंजीकरण कराना पड़ेगा। इसके लिए लोगों के सुझाव भी आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन दवाई की बिक्री को लेकर सरकार हर तरह की सतर्कता बरत रही है।

तेल चोरी करने वाले पेट्रोल पंपों के लाइसेंस होंगे रद्द!

ठाणे, देशभर के पेट्रोल पंपों पर होने वाली तेल चोरी के खुलासे के बाद केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने मामले को गंभीरता से लिया है। ठाणे पुलिस कमिश्नर परमवीर सिंह के मुताबिक पेट्रोलियम मंत्रालय ने उनसे अब तक की गई कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट मांगी है। परमवीर सिंह ने कहा कि जिन पेट्रोल पंपों पर गड़बड़ी पाई गई है, उन पेट्रोल पंप के लाइसेंस को रद्द किए जाने की कार्रवाई पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से की जा सकती है। दूसरी तरफ देश भर के पेट्रोल पंपों के अलावा विदेशों के पेट्रोल पंपों पर तेल चोरी के लिए चिप की सप्लाई करने वाले प्रकाश नूलकर को ठाणे कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा है। नूलकर को ठाणे जेल में रखा गया है। नूलकर को ठाणे पुलिस ने 11 जुलाई को कर्नाटक के हुबली से गिरफ्तार किया था। आठ दिनों की पुलिस कस्टडी के बाद बुधवार को नूलकर को न्यायिक हिरासत हुई। पुलिस नूलकर के साथी भाटिया सहित कुछ अन्य टेक्निशनों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। इस मामले में अब तक कुल 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और सभी ठाणे जेल में बंद हैं। जेल में बंद 11 लोगों ने जमानत के लिए कोर्ट में अपनी अर्जी दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने सभी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। इसके अलावा 14 लोगों ने कल्याण कोर्ट में गिरफ्तारी पूर्व जमानत के लिए पिछले सप्ताह अपनी याचिका दायर की थी। कोर्ट ने उनकी भी याचिका को खारिज कर दिया था। उक्त सभी लोगों ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक बार फिर से जमानत याचिका दायर की है, जिस पर 2 अगस्त को सुनवाई होने की बात बताई गई है। ठाणे पुलिस ने अब तक राज्य के 17 जिलों में 118 पहले पेट्रोल पंपों पर छापेमारी की है, जिसमें से 69 पट्रोल पंप पर मशीन में छेड़छाड़ कर तेल चोरी किए जाने की बात पुख्ता हुई है। इन सभी पेट्रोल पंप की मशीनों को पुलिस ने सील किया है। पुलिस की कार्रवाई अभी भी जारी है।

ठाणे जेल से सीरियल किलर को हटाने की मांग

मुंबई, सत्र न्यायालय को ठाणे जेल के सुपरिंटेंडेंट का एक गोपनीय पत्र मिला है जिसमें सीरियल किलिंग के आरोपी विजय पलांडे को वहां से हटाने का अनुरोध किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जेल के अंदर कैदियों की अधिक संख्या को सुरक्षा पर खतरा बताते हुए यह अनुरोध किया गया है। ठाणे जेल की क्षमता 1100 कैदियों की है लेकिन अभी वहां 3200 कैदी हैं।

पलांडे जेल में खुद फळक फाइल करके समय बिताता है। वह दूसरों को भी फळक फाइल करना सिखाता है। उसे मुंबई में सुनवाई के लिए लेकर जाने में कई पुलिसवालों की जरूरत पड़ती है। कोर्ट के आदेशों पर पलांडे को दांतों के इलाज के लिए भी लेकर जाना पड़ता है। ऐसे में उसके साथ जाने के लिए पुलिसवालों की कमी को उसको ट्रांसफर किए जाने के अनुरोध के पीछे की वजह बताया गया है। पलांडे को 5 लोगों के कत्ल के मामले में गिरफ्तार किया गया था जिसमें से 1 में उसको अपराधी माना गया है। 1 मामले से उसको बरी किया जा चुका है जबकि बाकी में सुनवाई अभी जारी है।

पलांडे ने इसी साल कोर्ट में अर्जी दायर कर अपने खिलाफ मुकदमों को तेजी से चलाए जाने की मांग की थी। उसने कहा था कि वह पहले ही 5 साल जेल में बिता चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि 2017 के अंत तक पलांडे के खिलाफ मुकदमों की सुनवाई पूरी कर ली जाए।

युवक को बिजली का करंट देकर मार डाला

कल्याण, डोंबिवली पूर्व के खोनिगांव परिसर स्थित पलावा सिटी सोसायटी में काम करने वाले एक युवक को बिजली का करंट देकर मौत के घाट उतारने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनसे पूछताछ की जा रही है। इस हत्या के बाद से ही इलाके में भय का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डोंबिवली की पलावा सिटी सोसायटी में बिजली का काम करने वाले 24 वर्षीय मनोहर मोतीराम वर्मा रोज की तरह पलावा सिटी में अपना काम करने गए थे। 16 जुलाई की सुबह पलावा सिटी में कुछ लोगों ने एक निमार्णाधीन इमारत में मनोहर की लाश देखी।

घटना की जानकारी मिलते ही पलावा सिटी में काम करने वाले अन्य कर्मचारी और परिसर के लोग घटना स्थल पर इकट्ठा हो गए। लोगों ने देखा कि मनोहर का शव निमार्णाधीन इमारत के इलेक्ट्रिक वर्कशॉप के अंदर पड़ा था और उसके दोनों हाथ वायर से बांध दिए गए थे। उसके शरीर पर जगह-जगह बिजली के शॉक दिए जाने के निशान बने हुए थे। मानपाड़ा पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्मार्टम के लिए भेज दिया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिवसेना का मेट्रो परियोजना पर जारी है अड़ंगा

मुंबई। शिवसेना मेट्रो परियोजना को लेकर अड़ंगा लगाना जारी है शिवसेना पहले मेट्रो 3 परियोजना में आरे का भूखंड जाने को लेकर विरोध करती आ रही थी अब मेट्रो 3 के लिए भी सब स्टेशन के लिए लगने वाले भूखंड को भी देने से इंकार कर दिया। अंधेरी स्थित पम्पिंग स्टेशन के लीये आरक्षित जमीन का कुछ हिस्सा मेट्रो 3 के लिए राज्य सरकार ने माँगा था जिसे देने से मनपा की सत्ता धारी शिवसेना ने इंकार कर दिया

गौरतलब है कि भाजपा सरकार ने अंधेरी पूर्व से दहिसर जो की आगे चलकर मीरा रोड तक मेट्रो परियोजना जाने वाली है। मेट्रो 3 परियोजना के लिए राज्य सरकार ने मनपा का अंधेरी स्थित पंपिंग स्टेशन के लिए आरक्षित भूखंड में से 4 एकड़ भूखंड इलेक्ट्रिक सब स्टेशन के लिए माँगा था। मनपा की

सत्ता धरी शिवसेना ने सुधर समिति में राज्य सरकार की मांग को यह कह कर ठुकरा दिया की भूखंड पम्पिंग स्टेशन के लिए आरक्षित है। भाजपा सदस्यों ने मेट्रो परियोजन जनता के लिए होने की बात कहते शिवसेना का भरी विरोध किया और आरोप लगाया की शिवसेना विकास कार्यो में अड़ंगा बन रही है। पश्चिम उपनगर में ट्रैफिक की समस्या दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही पर्यावरण को भी भारी नुकसान हो रहा है। मेट्रो परियोजना शुरू होने से लोगो को भरी राहत होने की जानकारी देने के बावजूद शिवसेना ने मेट्रो परियोजना के लिए भूखंड देने से इंकार कर दिया। बता दे की पम्पिंग स्टेशन के लिए कुल 9 हजार वर्ग मिटर का भूखंड है जिसमे 4 हजार वर्ग मिटेर की जमीन सब स्टेशन के लिए किराये पर राज्य सरकार ने मांगी थी। शिवसेना ने कांग्रेस का साथ पकड़ कर प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

सूचना

लापता लड़की की तलाश

नाम : कु. हमीदा राजेश शहा, **उम्र :** 16 वर्ष,
रंग : सांवला, लंबे काले बाल, **कद :** 5 फीट,
पीठ पर काला मस्सा

यह लड़की गुलाबी काले रंग का चेक वाला टॉप भूरे रंग की सलवार पहने हुई है और भूरे रंग की ही ओढनी शरीर पर डाल रखी है। इस तरह की कोई लडकी अगर किसी को मिले या दिखे तो कुरार पुलिस थाने के पुलिस उपनिरीक्षक भंडारे से मोबाईल नंबर 9923833007 अथवा कुरार पुलिस स्टेशन के दूरभाष संख्या 28402911 पर संपर्क करें। कु. हमीदा राजेश शहा कानू कम्पाउंड, सहयोग वेलफेयर सोसायटी मालाड पूर्व, मुंबई–97 से दिनांक 16 जुलाई 2017 से लापता है।

भांडुप में जगह के अभाव में नहीं बनेगा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल

मुंबई। भांडुप में मनपा द्वारा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल बनाया जाना था। किन्तु सम्बंधित भूखंड के कुछ हिस्से पर बिल्डर द्वारा दावा कर कोर्ट में गुहार लगाई गयी जिसमे उसकी जीत होने से भूखंड का हिस्सा बिल्डर के अधीन चला गया है। वहीं शेष जगह पर सुपरस्पेशलिटी अस्पताल बनाना संभव न होने से केवल अस्पताल का निर्माण किये जाने की जानकारी मनपा उपायुक्त चंद्रशेखर चौरे ने दी है।

गौरतलब है कि भांडुप पश्चिम में रुणवाल होम्स बिल्डर से कुल 18 हजार 765 क्षेत्रफल का भूखंड मनपा को मिला था। इस भूखंड पर लगभग 550 बेड का सुपरस्पेशलिटी अस्पताल बनाने के लिए जून 2013 से आरक्षित रखा था। वहीं बजट में लगभग डेढ़ सौ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। किंतु इस भूखंड का लगभग 8 हजार स्क्वे.मीटर जगह सड़क के आरक्षण के कारण कम होने वाली है। जिसके संदर्भ में बिल्डर द्वारा कोर्ट में याचिका दाखिल कर गुहार लगाई गयी। कोर्ट द्वारा बिल्डर के हित में परिणाम जाहिर किया गया। जिससे मनपा को यह भूखंड बिल्डर के अधीन देना पडेगा। जिससे अब सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के लिए आवश्यक जगह का अभाव हो रहा है। जिससे शेष जगह पर सुपरस्पेशलिटी अस्पताल बनाना संभव न होने से केवल अस्पताल का निर्माण किये जाने की जानकारी मनपा उपायुक्त चंद्रशेखर चौरे ने दी है।

35 फीसदी बढ़ा राज्यभर के जलाशयों का जलस्तर

मुंबई। पिछले दिनों से राज्य भर में हो रही मूसलाधार बारिश से राज्य के जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। दो दिन की बारिश से बांधों में 35 प्रतिशत पानी भरा है। किसानों की सूख रही फसलों में नई जान आ गई है। राज्य के कृषि विभाग के अनुसार खेतों में करीब 72 प्रतिशत तक बुआई हो गई है। राज्य के मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से 19 जुलाई तक राज्यभर में 182.4 मिली मीटर बारिश हुई। पिछले साल इसी अवधि तक औसतन 108.5 मिमी बारिश हुई थी। जानकारी के अनुसार ठाणे, रायगड, पालघर, पुणे, गडचिरोली जिले में 100 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हुई।

वसई रोड एवं विरार के बीच रात्रिकालीन जम्बो ब्लॉक

पश्चिम रेलवे पर इस रविवार डे ब्लॉक नहीं

मुंबई। रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा शनिवार, 22 जुलाई एवं रविवार, 23 जुलाई, 2017 के बीच की मध्यरात्रि के दौरान वसई रोड एवं विरार स्टेशनों के मध्य 00.30 बजे से 04.15 बजे तक अप धीमी लाइन पर तथा 01.00 से 04.15 तक डाउन धीमी लाइन पर रात्रिकालीन जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन धीमी लाइन की सभी ट्रेनें वसई रोड एवं विरार स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाई जायेंगी। इस ब्लॉक की विस्तृत जानकारी स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा प्रारम्भ करते समय उपरोक्त ब्लॉक व्यवस्था को ध्यान में रखें।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। **(9619102478)**

मध्य रेलवे के उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक

मुंबई। मध्य रेल के उपनगरीय खंडों पर अनुरक्षण कार्य करने हेतु दिनांक 23.07.2017 को निम्न अनुसार मेगा ब्लॉक परिचालित किया जायेगा। माटुंगा-मुलुंड डाउन स्लो लाइन पर सुबह 11.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक सुबह 11.12 बजे से सायं 4.27 बजे तक माटुंगा से छूटने वाली डाऊन स्लो लाइन की सभी सेवाएं माटुंगा झ्र मुलुंड स्टेशनों के बीच डाउन फारूट लाइन पर चलाई जाएगी तथा सायन, कुर्ला, घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप एवं मुलुंड स्टेशनों पर रुकेंगी। मुलुंड से आगे जाने वाली सभी डाऊन लाइन की सेवाएं मुलुंड से पुनः डाउन स्लो लाइन पर चलाई जाएंगी। ब्लाक के दौरान डाऊन स्लो लाइन की सेवाएं विद्याविहार, कांजुरमार्ग एवं नाहुर स्टेशन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी फिर भी इन स्टेशनों के यात्रियों को वाया कुर्ला/घाटकोपर/भांडुप /मुलुंड होकर यात्रा करने की अनुमति प्रदान की गई है। सुबह 11.22 बजे से दोपहर 3.28 बजे तक ठाणे से छूटने वाली सभी अप फास्ट लाइन सेवांए अपने निर्धारित हाल्ट के अलावा मुलुंड, भाडुंप, विक्रोली, घाटकोपर, एवं कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी और अपने गंतव्य स्टेशन पर 15 मिनट देरी से पहुंचेगी सुबह 10.48 बजे से दोपहर 2.54 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से छूटने वाली डाउन फास्ट लाइन सेवांए अपने निर्धारित हाल्ट के अलावा घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप, एवं मुलुंड स्टेशनों पर रुकेंगी और अपने गंतव्य स्टेशन पर 20 मिनट देरी से पहुंचेगी। सुबह 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज

टर्मिनस से छूटने वाली/पहुंचने वाली डाऊन स्लो सेवांए अपने गंतव्य स्टेशन पर 10 मिनट देरी से पहुंचेगी।

हार्बर लाइन : छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस झ्र चुनाभट्टी/बांद्रा डाउन हार्बर लाइन पर सुबह 11.40 बजे से सायं 4.40 बजे तक तथा चुनाभट्टी/बांद्रा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस अप हार्बर लाइन पर सुबह 11.10 बजे से सायं 4.10 बजे तक सुबह 11.21 बजे से सायं 4.39 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से वाशी/बेलापुर/पनवेल के लिए छूटने वाली सभी सेवाएं तथा सुबह 10.38 बजे से सायं 4.43 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से बांद्रा/अंधेरी के लिए छूटने वाली सेवाएं निरस्त रहेंगी। सुबह 9.52 बजे से दोपहर 3.26 बजे तक पनवेल/बेलापुर/वाशी से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए छूटने वाली अप हार्बर लाइन की सभी सेवाएं तथा सुबह 10.44 बजे से सायं 4.13 बजे तक अंधेरी/बांद्रा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए छूटने वाली अप हार्बर लाइन की सेवाएं निरस्त रहेंगी। ब्लाक के दौरान पनवेल-कुर्ला (प्लॅटफार्म क्र.8) खंड पर विशेष सेवाएं चलाए जाएंगे। हार्बर लाइन के यात्रियों को सुबह 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक पश्चिम रेलवे तथा मेन लाइन होकर यात्रा करने की अनुमति दी गयी है। ब्लाक के परिणाम स्वरूप अन्य दिनों की तुलना में उपनगरीय गाडियों में अधिक भीड़-भाड़ हो सकती है। यात्रियों अनुरोध है कि वे लोकल गाडियों के फुट-बोर्ड, रूफ टॉप एवं खचा-खच भरी लोकल में यात्रा न करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस असुविधा के लिए रेल प्रशासन को सहयोग दें।

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे) **(9619102478)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मोदी का अचूक दलितास्त्र!

राष्ट्रपति पद के लिए रामानाथ कोविंद का चुना जाना निश्चित रुप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है क्योकि के. आर.नारायण के बाद देश में कोई दलित राष्ट्रपति पद पर आसीन नहीं हुआ था। भारत की राजनीति अभी दलित बनाम अगड़ा वर्ग में उलझी हुई है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के 14 वे राष्ट्रपति पद के लिए रामानाथ कोविंद नाम का दलितास्त्र फेंका, जो अचूक हेने के साथ अभेद्य भी रहा, जब कि कॉग्रेस ने भी दलित श्रेणी के मीरा कुमार को कोविंद के सामने खड़ा करके दलित बनाम दलित की राजनीति की जिसमें उसे मुंहकी खानी पड़ी। बिहार के राज्यपाल रहते रामानाथ कोविंद के सरल, सहज और मृदुल व्यवहार से भाजपा व मोदी विरोधी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी प्रभावित थे। तभी तो उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की तरफ से कोविंद के नाम की घोषणा होने के साथ ही उन्होंने उन्हें समर्थन देने की घोषणा कर डाली। जिसके लिए उनके सहयोगी राष्ट्रिय जनता दल ने काफी आलोचना की। लेकिन नीतीश अपने निर्णय पर अड़े रहे और अपना व अपने दल जदयू के सारे वोट रामानाथ कोविंद को दिलाकर उन्हें भारी मतों से राष्ट्रपति चुनाव जिताने में अहम भूमिका निभाई। अब देश के 14 वे राष्ट्रपति रामानाथ कोविंद से देशवासी को आशा है कि वे सिर्फ रबड़ स्टाम्प बनकर (जैसा कि राष्ट्रपति के लिए कहा जाता है) नहीं रहेंगे। वे देश के दलित, अल्पसंख्यक व अन्य पिछड़ों की आवाज बनेंगें जैसा कि के.आर. नारायण ने किया था और राजीव गांधी की सरकार के समय ज्ञानी जैल सिंह ने किया था। इन दोनों ने साबित किया था कि वे रबड़ स्टाम्प नहीं बल्कि सही समय पर सही निर्णय को अंजाम दे सकते हैं बगैर किसी प्रधानमंत्री और सरकार से प्रभावित हुए। देशवासियों को उम्मीद है कि रामनाथ कोविंग, के.आर. नारायण और ज्ञानी जैल सिंह की विरासत को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभायेंगे बिना किसी के प्रभाव में आये। इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रामानाथ कोविंद के जरिये दलित वर्ग को अपने साथ लाने का जो यहां दाव खेला निश्चित रुप से मोदी की सूझबूझ का द्योतक है और आगामी 2019 के लोकसभा और अभी होने वाले गुजरात विधान सभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा की सरकार बन सकती है, ऐसी सुगबुगाहट सियासी गलियारे में अभी से फैल गई है।

-दिलशाद खान

सुविचार

दरिया ने झरने से पूछा
तुझे समंदर नहीं बनना क्या ?
झरने ने बड़ी नम्रता से कहा,
बड़ा बनकर खारा हो जाने से बेहतर है
की मैं छोटा रहकर मीठा ही रहूँ !!

नीतिपरक दिखें स्वास्थ्य वीजा नियम

भारत सरकार ने तय किया है कि भारत में इलाज के लिए आने वाले पाकिस्तानियों को सरताज अजीज का सिफारिशी पत्र अनिवार्य होगा। अजीज पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के विदेश मामलों के सलाहकार हैं। चूंकि पाकिस्तान में व्यावहारिक कारणों से कोई विदेश मंत्री नहीं है, लिहाजा अजीज ही विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के समकक्ष हुए। जब कैंसर पीड़ित एक 25 वर्षीय पाकिस्तानी युवती ने भारत में उपचार के लिए स्वराज से गुहार लगाई तो उन्होंने उसे आश्वस्त किया कि जैसे ही अजीज वीजा के लिए संस्तुति कर देंगे उसके लिए तुरंत वीजा जारी कर दिया जाएगा। इसके साथ ही स्वराज ने अजीज को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की कि कुलभूषण जाधव की मां को वीजा देने के उनके निवेदन पर उन्होंने शिष्टाचार का भी लिहाज नहीं किया। इस सबके बीच बीते दिनों स्वराज ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके के एक युवा को अजीज के सिफारिशी पत्र के बिना ही वीजा देने की घोषणा की। उन्होंने ऐसा इस आधार पर किया, क्योंकि भारत पीओके को अपना ही हिस्सा मानता है। यह काबिलेतारीफ फैसला है।

सुषमा स्वराज की बुद्धिमता संदेह से परे है। उनके पास अपार राजनीतिक अनुभव है। उन्होंने तमाम जिम्मेदारियों को कुशलता से निभाया है। वह मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत विनम्र नेता मानी जाती हैं। भारत सौभाग्यशाली है कि उसके पास उनके जैसी विदेश मंत्री हैं। पाकिस्तानी बच्चों और युवाओं को स्वास्थ्य वीजा देने में दिखाई जाने वाली उनकी दरियादिली उनके मानवीय पक्ष को ही उजागर करती है। इसमें संदेह नहीं कि उन्होंने काफी सोच विचार के बाद ही पाकिस्तानियों के लिए स्वास्थ्य वीजा की मौजूदा नीति को आकार दिया है। वीजा देना या न देना किसी देश का अपना विशेषाधिकार है। हालांकि तमाम देश वीजा के मोर्चे पर कुछ श्रेणियों के लिए विशेष करार कर लेते हैं। मिसाल के तौर पर कारोबारियों की श्रेणी के लिए वीजा नियम आसान बना दिए जाते हैं। हालांकि ऐसे अनुबंध भी उस श्रेणी से बाहर के लोगों को वीजा देने के उस देश के विशेषाधिकार को खत्म नहीं करते। भारत और पाकिस्तान के बीच दूतावास के स्तर पर अनुबंध है। धार्मिक यात्रा के सिलसिले में आने वाले लोगों के मामलों को इसी अनुबंध के तहत देखा जाता है। छात्रों या पर्यटकों के अलावा इलाज कराने के लिए आने वाले पाकिस्तानियों के वीजा संबंधी मामलों पर यह लागू नहीं, लेकिन यह भारत या पाकिस्तान को पर्यटन, स्वास्थ्य या किसी अन्य श्रेणी में वीजा देने से नहीं रोकता।

भारत और पाकिस्तान के मामले में वीजा का मसला अमूमन उन्हीं श्रेणियों तक ही सीमित है जिनका दूतावास अनुबंध में उल्लेख है। सितंबर, 2016 में उड़ी आतंकी हमले के बाद से भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा संबंधी नियम सख्त कर दिए। यह एकदम सही फैसला था, क्योंकि देश की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। भारत ने पाकिस्तान से दो टूक लहजे में यह भी कह दिया कि जब तक वह भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा तब तक उससे कोई बातचीत नहीं हो सकती। भारत को इस रुख पर अडिग रहना चाहिए। ऐसे माहौल में बातचीत के निहितार्थ समझने होंगे। इससे व्यापक रूप से तीन मुद्दे जुड़े हैं। एक तो मतभेद सुलझाना, दूसरा सहयोग बढ़ाना और तीसरा मानवीय पक्षों से जुड़े समाधान तलाशना। इनमें तीसरी श्रेणी से जुड़े मामलों के लिए दोनों देशों के अधिकारियों के बीच नियमित रूप से संवाद की जरूरत है, क्योंकि यात्रियों, कैदियों और मछुआरों से जुड़े मामले अक्सर तनाव की वजह बन जाते हैं। पड़ोसी मुल्कों के बीच यह स्वाभाविक ही है और ये संबंध निश्चित रूप से बने रहने चाहिए। इन मसलों पर चर्चा पाकिस्तान के साथ वार्ता को लेकर भारत के सख्त रुख-रवैये को किसी भी लिहाज से कमजोर नहीं करता।

स्वास्थ्य वीजा भी मानवीय पक्ष से संबंधित है। क्या हमें इस पर स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं करना चाहिए? इसे लेकर पाकिस्तान पर ऐसी कोई शर्त क्यों लगाई जानी चाहिए कि किसी सरताज अजीज की संस्तुति अनिवार्य बन जाए? इसके लिए एक खास तंत्र बनाया जा सकता है जिसमें भारतीय डॉक्टरों की टीम सुनिश्चित करे कि स्वास्थ्य वीजा का दुरुपयोग न हो पाए। असल में सिफारिशी पत्र की जरूरत एक तरह से पाकिस्तान को शर्मसार करने के लिए ही है कि उसने जाधव की मां के लिए वीजा पर मानवीय रूप से विचार नहीं किया। अगर पाकिस्तान ने ऐसा नहीं किया होता तो शायद आज इसकी नौबत ही नहीं आती। पाकिस्तानी आज अपने ही देश की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। पाकिस्तान ने इन गलत नीतियों को सुधारने की कोई जहमत भी नहीं उठाई है। लगता है उसके हुक्मरानों को कहीं कोई शर्म नहीं। इसमें संदेह नहीं कि स्वास्थ्य वीजा के पाकिस्तानियों के आवेदन पर उदारतापूर्वक विचार के बाद भी भारत के प्रति पाकिस्तान के विषवमन में किसी तरह की कमी नहीं आने वाली। भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए वह आतंक सहित हरसंभव तिकड़म का इस्तेमाल करने से गुरेज नहीं करेगा। यक्ष प्रश्न यही है कि यह सब जानते हुए भी क्या पाकिस्तानियों की ओर से मदद की गुहार पर हमारी सरकार का दिल पसीजना चाहिए? इस सवाल का कोई आसान जवाब नहीं है। एक नजरिया तो यह हो सकता है कि अगर पाकिस्तान को अपने ही नागरिकों की परवाह नहीं तो फिर भारत क्यों उनकी चिंता करे? दूसरा यह कि पाकिस्तानी आतंक की भेंट चढ़ते अपने नागरिकों के दर्द को देखते हुए भारत को पाकिस्तानी नागरिकों के स्वास्थ्य वीजा के जरिये उनकी भलाई की परवाह नहीं करनी चाहिए। भारत ने सरताज अजीज के संस्तुति पत्र के मामले में एक विकल्प मुहैया कराया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो इस मौजूदा नीति की वैधता पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। वैसे भी कूटनीति की दुनिया परस्पर आदान-प्रदान से संचालित होती है। संभवतः अधिकांश भारतीय यही महसूस करते हैं कि जो पाकिस्तान हमेशा भारत को अपना दुश्मन मानता आया हो और जिसके आतंक की वजह से सैनिकों से लेकर निर्दोष आम लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रहा हो उसके बाशिंदों के इलाज के मामले में कोई नरमी दिखाने की दरकार नहीं।

हमने देखा है कि दिसंबर 2014 में पेशावर के सैनिक स्कूल में आतंकी हमले में 150 बच्चों की मौत पर जब भारत ने एकजुटता दिखाई तब भी पाकिस्तान में भारत के रुख की खास सराहना नहीं हुई। इस सबके बाद भी हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि स्वास्थ्य वीजा से भारत की साख जुड़ी है। क्या हमारे प्राचीन मूल्य हमें यह नहीं सिखाते कि भले ही हम अपने दुश्मन से लड़ते रहें, लेकिन दुश्मन देश के मजलूम, महिलाओं और बच्चों के साथ बेहतरी से पेश आएं? निश्चित रूप से आतंकी किसी नरमी के हकदार नहीं और पाकिस्तानी आतंक को निर्ममता से कुचला जाना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही हमें अपनी प्राचीन सभ्यता के मूल अवयव के रूप में मानवता का परित्याग भी नहीं करना चाहिए। इस परिप्रेक्ष्य में सुषमा स्वराज को स्वास्थ्य वीजा मसले पर गहराई से मंथन करना चाहिए।

विद्युतीकरण का लक्ष्य

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने वर्ष 2018 तक हर घर में बिजली पहुंचाने के लक्ष्य को हासिल करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराया है। सीएम ने इस बाबत अफसरों के साथ-साथ बिजली के ठेकेदारों को भी कड़े निर्देश दिए हैं। लक्ष्य हासिल करने के लिए मार्च 2018 तक 112 बिजली सब स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा कराने का टास्क ऊर्जा विभाग को सौंपा गया है। बिजली रघुवर सरकार के एजेंडे में सबसे ऊपर है और पिछले ढाई सालों के दौरान इसमें काफी सुधार भी हुआ है। गत 30 माह में सात लाख घरों तक बिजली पहुंची है, जो कि बड़ी उपलब्धि है।

हालांकि बिजली को लेकर सरकार के दावों और हकीकत में अभी भी बड़ा फासला है। शहरी क्षेत्रों में तो सुधार देखने को मिलता है लेकिन ग्रामीण विद्युतीकरण की स्थिति में अभी भी कोई खास सुधार नहीं आया है। सुदूर ग्रामीण इलाके अभी भी विकास से कोसो दूर हैं। यहां यह भी स्पष्ट कर दें कि गांवों में सिर्फ बिजली पहुंचाने का टास्क पूरा किया जा रहा है। पूर्व में ग्रामीण क्षेत्रों में काफी कम क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाए गए थे, जो दम तोड़ चुके हैं। आवश्यकता ऐसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने की है क्योंकि लक्ष्य सिर्फ गांवों में बिजली के तार पहुंचाने का नहीं है बल्कि ग्रामीणों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने का है। यदि अगले डेढ़ बरस में 23 लाख बचे हुए ग्रामीण परिवारों तक बिजली पहुंचानी है तो अनियमितता बरतने वाले अफसरों, बिजली कर्मियों और संबंधित एजेंसियों पर नकेल कसनी होगी। मुख्यमंत्री रघुवर दास का उजाला दिवस मनाने का निर्णय भी सराहनीय है। उन्होंने कहा है कि जिस दिन जिस गांव में भी बिजली पहुंचे वहां उजाला दिवस मनाया जाए। यह इसलिए भी आवश्यक है कि सुदूर इलाकों में बिजली के दर्शन नहीं होते। भौगोलिक परिस्थितियां भी इसके लिए जिम्मेवार हैं। ऐसे क्षेत्रों को सौर ऊर्जा से विद्युतीकृत किया जा सकता है। झारखंड में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत पर ज्यादा काम नहीं हुआ है। फिलहाल सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रयास तेज हुए हैं। योजना बड़े पैमाने पर सरकारी कार्यालयों में सौर ऊर्जा प्लांट अधिष्ठापित करने की है। दरअसल ग्रार्मीण विद्युतीकरण के कार्य में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितता से राज्य उबर नहीं पाया है। कोशिश इस स्तर पर हो कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कामकाज पूरा किया जाए ताकि झारखंड को पूर्ण विद्युतीकृत राज्यों की श्रेणी में खड़ा होने का गौरव प्राप्त हो।

ट्रेन की छत पर स्टंट का वीडियो हुआ वायरल

मुंबई। इन दिनों मुंबई की लोकल ट्रेन की छत पर स्टंट कर रहे एक शख्स का वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो जुलाई के महीने का बता कर व्हाट्स ऐप और फेसबुक पर वायरल किया जा रहा है। इस वीडियो की सच्चाई जानने का प्रयास किया तो पता चला कि यह वीडियो एक साल पुराना है और अचानक एक फेसबुक पेज पर शेयर होने के कारण वायरल हो गया है। इस वीडियो को दूसरे ट्रेन में मौजूद एक शख्स ने अपने मोबाइल फोन में कैद किया है। सोशल मीडिया पर ये वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, यह वीडियो मुंबई से सटे मीरा भायंदर इलाके का है।

इसमें दिखाई दे रहा है कि कैसे एक कम उम्र का युवक रफ्तार से जा रही मुंबई की लोकल ट्रेन के छत पर चढ़कर खुलेआम अपनी मौत को दावत देता नजर आता है। युवक ट्रेन की छत पर खड़ा रहता है। जैसे ही इलेक्ट्रिक पोल उसके नजदीक आता है उससे बचने के लिए वो झुक जाता है। युवक के ट्रेन की छत पर खड़े होकर स्टंट करने का वीडियो बगल से जा रही ट्रेन में बैठे एक यात्री ने अपने फोन से बनाया और सोशल मीडिया में अपलोड कर दिया। सोशल मीडिया में वीडियो डालते ही वह वायरल हो गया है। वीडियो बनाने वाले ने हाथ से इशारा कर उसे ऐसा न करने के लिए भी कहा।

सातवीं की स्टूडेंट से युवक ने किया रेप

अहमदनगर। जिले के पाथर्डी तहसील के मांडवे गांव में एक अज्ञात युवक ने सातवीं की स्टूडेंट से रेप किया और फरार हो गया। पुलिस ने उसकी जांच शुरू कर दी है। वहीं लड़की के साथ रेप होने की जानकारी मिलते ही गांव वालों ने रास्ता रोको आंदोलन कर इसका विरोध किया। गांव वालों ने आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की है।

पीड़ित लड़की घर से तीन किलोमीटर दूरी पर स्कूल में पढ़ाई करती है। सुबह वह स्कूल निकली थी। रास्ते से एक बाइकसवार युवक जा रहा था, लड़की की मां ने उससे कहा कि वह लड़की को स्कूल तक छोड़ दें। युवक ने कहा कि वह लड़की को स्कूल छोड़े देगा। लड़की उसकी बाइक पर बैठ गई, लेकिन वह उसे स्कूल नहीं ले गया। वह लड़की को सुनसान जगह ले गया और वहां पर उसका रेप किया। इसके बाद उसे बाइक पर बिठाया और तीसगांव के चौराहे पर छोड़कर फरार हो गया। दर्द से कराह रही पीड़ित लड़की जोर जोर से रोने लगी तो गांव के लोग जमा हो गए। उन्होंने उससे पूछने पर उसने सारी कहानी बताई। इसके बाद पुलिस को इनफॉर्म किया गया। पीड़ित लड़की को हॉस्पिटल ले जाया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। लड़की से रेप के विरोध में गांव वालों ने हाईवे पर रास्ता रोको आंदोलन कर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

मुंबई के बाद केरल के मीडिया हाउस ने महिलाकर्मियों को देना शुरू किया 'पीरियड लीव'

मुंबई। महिलाओं के समान अधिकार देने के साथ ही उनकी समस्याओं को भी अब प्रायवेट कंपनियों में महत्व दिया जाने लगा है। इसी के चलते महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान छुट्टियां देने का सिलसिला शुरू हुआ है।

मुबंई की एक कंपनी के बाद अब केरल के एक न्यूज चैनल ने अपनी महिला कर्मियों को पीरियड्स के दौरान छुट्टी देना शुरू किया है। खबरों के अनुसार राज्य के मातृभूमि नामक एक मीडिया समूह ने अपने टीवी न्यूज चैनल की महिला कर्मचारियों के लिए पीरियड लीव की शुरूआत की है। महिलाओं को मासिक धर्म के पहले या किसी भी दिन छुट्टी लेने की सुविधा मिलेगी। इसे फैसले से चैनल की न्यूज डेस्क व रिपोर्टिंग टीम की 50 महिला कर्मचारियों को सुविधा मिलेगी। इससे पहले मुंबई की भी एक डिजिटल मीडिया कंपनी ने अपनी महिला कर्मचारियों को पीरियड्स के पहले दिन पेड लीव देना शुरू किया था।

कल्चर मशीन नामक इस कंपनी में कुल 75 महिला कर्मचारी हैं। कंपनी ने इस पॉलिसी को फर्स्ट डे ऑफ लीव पॉलिसी नाम दिया है।

आत्महत्या कर रही महिला को सुरक्षा रक्षकों ने बचाया

मुंबई। अपना जीवन खत्म करने के इरादे से गुरुवार की सुबह पवई तालाब में छलांग लगाने वाली एक महिला को सुरक्षा रक्षकों ने बचा लिया। महिला जोगेश्वरी की रहने वाली थी और काफी समय से मानसिक रूप से परेशान थी। महिला को जोगेश्वरी स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। वह खतरे से बाहर बताई गई है। पवई पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 32 साल की सविता झंकार ने गुरुवार सुबह करीब 10 बजकर 20 मिनट पर पवई तालाब में छलांग लगा दी। महिला को छलांग लगाते हुए तालाब के सुरक्षा रक्षक इम्तियाज खान ने देख लिया। वे अपने दो अन्य सहयोगियों के साथ वहां ड्यूटी पर थे। पवई पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह 10:24 बजे उन्हें जानकारी मिली कि एक महिला ने पवई तालाब में छलांग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। यह सूचना नियंत्रण कक्ष में इम्तियाज खान नामक सुरक्षाकर्मी ने दी थी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी मोहिते एवं पवई पुलिस ने समय रहते महिला को रेस्क्यू कर उसे जोगेश्वरी स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां वह अभी खतरे से बाहर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सविता मानसिक रूप से परेशान थी। पवई पुलिस मामले की जांच कर रही है। पवई तालाब की सुरक्षा में तैनात सगुन सिक्युरिटी कंपनी के सुपरवाइजर इम्तियाज खान (41) ने बताया कि हमेशा की तरह गुरुवार को वे अपने दो सुरक्षा रक्षक अनिल तायड़े (25) और सिकंदर चौधरी (31) के साथ तालाब में ड्यूटी कर रहे थे। उन्होंने देखा कि करीब 10.20 बजे एक महिला तालाब में कूद गई है। उसको कूदते देख तीनों ने बोट को मौके की ओर भगाया, जहां महिला गहरे पानी में डूब रही थी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

एक लड़की से...

इसके बाद विपक्षी दलों के साथ-साथ मुंबईकर भी मलिष्का के समर्थन में आ गए थे। इसे बदले की कार्रवाई बताया गया था। शिवसेना के सभागृह नेता यशवंत जाधव ने स्थायी समिति में मलिष्का पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा-गड्ढे दिखने पर उन्हें सहायक आयुक्त के पास शिकायत करनी चाहिए थी। गाने के जरिए उन्होंने प्रशासन ही नहीं 232 नगरसेवकों का भी अपमान किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीएमसी को मलिष्का के घर में हुए अवैध निर्माण के बारे में पता चला है उन्हें जल्द ही इस मामले में नोटिस भेजा जाएगा।

बीजेपी भारत...

ममता की इस रैली में उनकी पार्टी के तमाम बड़े नेता और पार्टी समर्थक सेलेब्रिटी भी शामिल हुए। खास बात ये है कि ममता के निशाने पर सिर्फ केंद्र सरकार और बीजेपी रही। बता दें कि दोनों पार्टियों का राज्य में भी टकराव चल रहा है। खासकर हाल की कुछ सांप्रदायिक घटनाओं के बाद ममता ने बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया था। रैली में ममता ने कहा- हमारा राज्य उन सभी पॉलिटिकल पार्टीज के साथ खड़ा है जो बीजेपी के विरोध में हैं और उससे लड़ना चाहती हैं। वेस्ट बंगाल की सीएम ने कहा- बीजेपी सरकार सभी मोर्चों पर बुरी तरह नाकाम रही है। हमारे पड़ोसी देशों से अच्छे रिश्ते थे लेकिन बीजेपी सरकार आने के बाद ये रिश्ते अब खराब होते जा रहे हैं। ममता ने कहा- हमारी पार्टी 9 अगस्त से बीजेपी भारत छोड़ो आंदोलन शुरू करेगी। हम भारत की धरती से बीजेपी को हटाकर ही रहेंगे। ममता सरकार के नेताओं पर सारदा और नारदा घोटाले में शामिल होने के आरोप लगे हैं। कुछ नेताओं की गिरफ्तारी भी हुई थी। ममता ने रैली में इस मामले का भी जिक्र किया। नारदा और सारदा के जरिए केंद्र सरकार हमें डराने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम उनसे डरने वाले नहीं हैं। हममें से कोई भी कसूरवार नहीं है। शुक्रवार को आए राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र करते हुए ममता ने कहा- मीरा कुमार को 18 अपोजिशन पार्टियों ने समर्थन दिया था। हम इसी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बीजेपी को हराने के लिए करेंगे। बीजेपी को लगता है कि वो 2019 का चुनाव आसानी से जीत लेगी। लेकिन, ये उतना आसान भी नहीं है।

9 करोड़ का सोना...

3 लाख 88 हजार रुपए कैश भी लुटेरे साथ ले गए। मुथूट फाइनेंस के ऑफिस में शुक्रवार को रोज की तरह काम हो रहा था। तभी चार बदमाश पहुंचे। कर्मचारियों पर पिस्तौल तान दी। इस वक्त चार लोगों का स्टाफ और दो कस्टमर थे। इन सभी को हथियारों की नोंक पर एक तरफ खड़ा कर दिया गया। बदमाशों ने इसके बाद मैनेजर से लॉकर की चाबी मांगी। इनकार करने पर मारपीट की। बाद में मैनेजर ने चाबी दे दी। बदमाशों ने लॉकर खोलकर सोना निकाला और फरार हो गए।

गोरक्षकों के खिलाफ...

अब जानलेवा भीड़ पर लगाम लगाने के लिए एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पहल की है। लोकसभा सचिवालय में उन्होंने प्राइवेट मेंबर बिल जमा कर दिया है। अब इंतजार है उसके पेश होने का। भारत में भीड़ के हाथों हत्या यानी 'मॉब लिंचिंग' के मामलों में हुई बढ़ोतरी ने ना सिर्फ अल्पसंख्यकों के मन में दहशत की दीवार खड़ी कर है बल्कि मोदी सरकार की छवि को भी नुकसान पहुंच रहा है। बीफ रखने का इल्जाम लगाकर ना सिर्फ लोगों की पिटाई हो रही है बल्कि उनकी बर्बर हत्या तक कर दी गई है। फिलहाल सरकार कह रही है कि अपराध को सांप्रदायिक रंग देना गलत है। हालांकि असदुद्दीन ओवैसी के प्राइवेट मेंबर बिल का लोकसभा में पास होना बेहद मुश्किल है क्योंकि संसद के इतिहास में अबतक सिर्फ तीन बार ही ऐसा बिल पास हुआ है। आखिरी बार ऐसा 1971-72 में हुआ था और मौजूदा केंद्र सरकार भी इसे धर्म की नजर से नहीं देखना चाहती है। इसके पीछे दलील है कि देश का कानून हिंसक भीड़ के गुनहगारों के खिलाफ काम कर रहा है।

ममता का हमला, कहा- विदेश घूम कर PM मोदी बेच रहे देश

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। कोलकाता में एक रैली के दौरान ममता ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि देश में इस समय इमरजेंसी से भी बुरा माहौल है नागरिक के अधिकारों को छीना जा रहा है। असली हिंदू भी नकली हिंदू के कारण परेशानी झेल रहे हैं। टीएमसी इन ताकतों के खिलाफ लड़ रही है हम किसी से डरने वाले नहीं। ममता ने कहा कि मोदी सरकार कालिदास की तरह है, जिस डाली पर बैठी है उसी को काट रही है। उन्होंने कहा कि वो विदेश घूम रहे हैं और देश को बेच रहे हैं।

गाय के नाम पर गोरक्षक बन रहे गोभक्षक

सीएम ने कहा कि हमें किसी के सर्टिफिकेट की जरुरत नहीं है कि हम अच्छे लोग हैं या बुरे लोग। वर्ष 2019 में हम देखेंगे की क्या होगा, हम देश की सबसे स्वच्छ पार्टी है। उन्होंने कहा कि गाय के नाम पर गोरक्षक गोभक्षक बन रहे हैं, क्या अब वे लोग फैसला करेंगे कि हमें क्या खाना है। ममता ने कहा कि अगर गर्भवती महिला अंडा नहीं खाएगी तो क्या तुम्हारा सिर खाएगी या तुम्हारा भाषण खाएगी। सीएम ने कहा कि हम 9 अगस्त से भाजपा भारत छोड़ो आंदोलन चलाएंगे, अब समय आ गया है कि वे लोग देश को छोड़ें हम खुद अपने राज्य और देश को चला लेंगे। ममता ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में हमें बहुत सी विपक्षी पार्टियों का सपोर्ट मिला, उम्मीद है कि उप-राष्ट्रपति चुनाव में भी हमें अधिक समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश के सभी पड़ोसियों राज्यों से संबंध बिगाड़ लिए हैं। अब भूटान, नेपाल, बांग्लादेश और सिक्किम भी चीन की ओर जा रहे हैं।

गुजरात में कांग्रेस को झटका वाघेला का राजनीति से संन्यास

गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का एक बड़ा विकेट गिर गया है। गुजरात के बड़े नेता और सूबे के पूर्व सीएम शंकर सिंह वाघेला ने कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा देते हुए राजनीति से संन्यास ले लिया है। कांग्रेस पर बरसते हुए वाघेला ने कहा, मैं अपने आप कांग्रेस को अपने से मुक्त करता हूं लेकिन मैं किसी पार्टी में नहीं जाऊंगा। न ही कोई नई पार्टी बनाऊंगा। मैं विधानसभा में नेता विपक्ष के पद से भी इस्तीफा दे रहा हूं। अपने जन्मदिन कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं के आने पर रोक से गुस्साए वाघेला खुलकर सामने आए हैं।

'सभी विधायकों से बातचीत करनी चाहिए'

वाघेला ने कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी को रोक लगाने का अधिकार है पर विधायकों और अन्य नेताओं को इसे मानने अथवा न मानने का भी अधिकार है। उनके कार्यक्रम का गुजरात की तीन राज्यसभा सीटों और उपराष्ट्रपति के आगामी चुनाव से कोई लेना देना नहीं। क्रॉस वोटिंग के बारे में उन्होंने कहा कि पार्टी को इस बारे में सभी विधायकों से बातचीत करनी चाहिए। उनकी जिम्मेदारी सभी 57 कांग्रेसी विधायकों का मतदान सुनिश्चित करना था जो उन्होंने बखूबी किया है। यहां तक कि उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भी दोनो विधायकों को विपक्ष के साथ मतदान कराया था।

'कांग्रेस से नाराज हैं वाघेला'

वाघेला का अगला कदम जो भी हो, लेकिन एक बात तो साफ है कि वह पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं। 15 दिन पहले उन्होने गांधीनगर में एक सम्मेलन किया था, जिसमें कांग्रेस के खिलाफ जमकर बयानबाजी की थी। आज के सम्मेलन में अगर उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया तो दिसंबर में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए बड़ा झटका होगा। वाघेला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग, करप्शन और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में जांच चल रही है।

"मुजफ्फरनगर-दी बर्निंग लव" अगस्त २०१७ में प्रदर्शित हो रही है

डेढ़ वर्षो की अथक परिश्रम के पश्चात मुजफ्फरनगर-दी बर्निंग लव फिल्म अब सेंसर हो चुकी है, व अगस्त २०१७ में सब जगह प्रदर्शित हो रही है। फिल्म का निर्माण 'मोरना एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले हुआ है, लेखक और निर्माता मनोज कुमार मांडी हैं, निर्देशक हरीश कुमार, संगीत मनोज नयन, राहुल भट्ट और फराज अहमद का है, छायांकन रवि कुमार सना का है और संपादन साजु चंद्रन का है। फिल्म के निर्देशक हरीश कुमार ने बताया कि यह फिल्म २०१३ को मुजफ्फरनगर में घटित एक दुर्घटना पर आधारित होते है, यह हिंसक घटनाओ के बीच में दो दिलों के प्यार की भावनात्मक कहानी है, जो २०१३ के दंगे पर आधारित होते हुए भी दर्शकों को एक महत्वपूर्ण संदेश देती है, फिल्म में जहाँ अतिआवश्यक है, वहीं थोड़ी मारधाड़ दिखाई गई है, वरना फिल्म में हिंसा को नही दशार्या गया है, यह फिल्म दर्शको को सोचने पर मजबूर कर देगी. फिल्म के निमार्ता मनोज कुमार मंडी स्वयं मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं और उस दंगे के वक़्त वहां मौजूद थे, लिहाजा उन्होंने अपनी आँखों से काफी कुछ

मंजर देखा है, जो उन्हें इस फिल्म की कहानी लिखने में मददगार हुई। फिल्म अब सेंसर हो चुकी है, और अगस्त में सब जगह रिलीज होगी। फिल्म में कलाकार के रुप में देव शर्मा, एश्वर्य दिवान, एकांश भारद्वाज, अनिल जॉर्ज, मुर्स्लीम कुरेशी हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अजय एल. दुबे भारतीय यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रमुख एवं ऑल इंडिया एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट के चेयर मैन मनिनंदर जीत सिंह बिट्टा से मुलाकात करते हुए। श्री बिट्टा को पी.वी.नरसिंह राव ने भारतीय यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया था।

बालीवुड फिल्म वजीर, मर्डर 3, ये साली जिदंगी, बॉस और तमिल भाषा की फिल्मों की जानी मानी अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ अजय एल. दुबे।

बेटी बचाओ बेटी पढाओ संस्थापक अध्यक्ष अजय एल. दुबे अंधेरी के पी वी आर सिनेमा में भारतीय फिल्म अभिनेत्री, लेखक और निर्देशक कोंकणा सेन शर्मा के साथ।

भारतीय सेना को मिलेगी अहम मिसाइल!

भारतीय सेना ताकत में जल्द ही इजाफा होने वाला है। ऐसा इसलिए कि सेना को एक ऐसी मिसाइल मिलने वाली है, जो मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने की झमता रखती है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय सेना ने इस मिसाइल को विकसित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मिसाइल का निर्माण इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आइएआइ) के सहयोग से डीआरडीओ करेगा। 17 हजार करोड़ रुपये के इस प्रॉजेक्ट में 3-3 मिसाइल वाले 4 लॉन्चर होंगे।

'मेक इन इंडिया के लिए अहम'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के बाद यह प्रॉजेक्ट कई मायनों से अहम है। यह प्रॉजेक्ट मेक इन इंडिया के लिए भी अहम होगा, क्योंकि मिसाइल सिस्टम के ज्यादातर उपकरण स्वदेशी होंगे। इस प्रोजेक्ट में भारत के डिफेंस पीएसयू और प्राइवेट इंडस्ट्री को भी हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। फिलहाल मीडियम रेंज में भारत के पास 2 मिसाइल सिस्टम हैं, जिनमें 10 किलोमीटर क्षमता वाला ओएसए-एके और 24 किलोमीटर क्षमता वाला क्वाद्रथ सिस्टम शामिल है।

मिसाइल की खूबियां:-

-50 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी के कई हवाई लक्ष्यों को बना सकती है निशाना।

- दुश्मन के बैलिस्टिक मिसाइल, विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, सर्विलांस विमान और अवाक्स विमान को मार गिराने में सक्षम।

- बेहद अडवांस्ड और हर मौसम में काम करने वाली।

- मोबाइल सिस्टम में 360 डिग्री मूवमेंट की क्षमता।

मुकेश अंबानी ने किया सबसे सस्ता 4G फोन किया लांच

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 40वीं एन्युअल जनरल मीटिंग (ए.जी.एम.) के दौरान मुकेश अंबानी ने एक और धमाका करते हुए जियो फीचर फोन का ऐलान कर दिया। उन्होंने रिलायंस जियो के इस फोन को लेकर बताया कि यह फोन आवाज पर ऑपरेट होगा यानी कि इसे आप बिना कीबोर्ड प्रेस किए भी यूज कर सकते हैं। 24 अगस्त से जियो फोन की प्री बुकिंग शुरू होगी।

-हमने पिछले 40 सालों में 10000 गुना से भी ज्यादा ग्रोथ की है।

-रिलायंस का मार्कीट कैपिटलाइजेशन 50,000 गुना से भी ज्यादा बढ़ा है।

-1997 में रिलायंस में जिन्होंने 1000 रुपए का इंवेस्टमेंट किया, आज उनका पैसा साढ़े सोलह लाख हो चुका है।

-जियो के लॉन्च हुए 10 महीने हुए हैं लेकिन उसने एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़े हैं।

-रिलायंस जियो हर 7 सेकेंड में एक नया कस्टमर बनाती है।

-50 करोड़ मिनट वॉयस और वीडियो कॉल हर दिन।

-पीएम मोदी के डिजिटल इंडिया विजन का शुक्रिया अदा किया।

-भारत अब मोबाइल डेटा यूज में चीन, अमेरिका से आगे निकल चुका है।

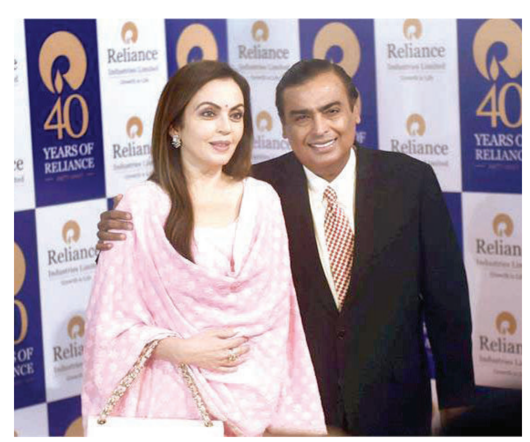

-जियो के पहले मोबाइल ब्रॉडबैंड में 155 और अब मोबाइल डेटा खपत में भारत नंबर-1 है।

-6 महीने में दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल नेटवर्क बना रिलायंस जियो।

आकाश अंबानी और ईशा अंबानी ने लांच किया जियो फोन

-22 भाषाओं को सपोर्ट करेगा ये सस्ता 4ॠ फोन, कीबोर्ड के अलावा इससे वॉयस कमांड दिया गया है।

-फोन की प्री बुकिंग 24 अगस्त से शुरू होगी।

-इसकी डिलिवरी सितंबर से शुरू होगी।

-दूसरे स्मार्टफोन से ज्यादा पावरफुल है इसका स्पीकर।

-जियो म्यूजिक पर कोई भी गाने सुन सकते हैं।

-रिलायंस जियो पर वॉयस कॉल हमेशा के लिए फ्री।

-153 रुपए में मिलेगा अनलिमिटेड डाटा।

-24 और 54 रुपए का वीकली और दो दिन वाला प्लान भी हुआ लॉन्च।

-जियो फोन को किसी भी टीवी के साथ कनेक्ट किया जा सकेग, स्मार्ट टीवी न हो फिर भी कनेक्ट होगा।

-12 रुपए में मिलेगा हर रोज इंटरनेट।

जियो कस्टमर को फ्री में मिलेगा जियो फोन, सिक्योरिटी के लिए देने होंगे 1500 रुपये

-भारत कनेक्टिविटी में जियो बढ़ चढ़ कर रोल अदा करेगा।

-हर महीने 5 मिलियन जियो फोन उपलब्ध कराए जाएंगे।

-सभी जियो फोन मेड इन इंडिया होंग

CAG रिपोर्ट का खुलासा, खाने लायक नहीं है रेलवे का खाना

भारतीय रेल में परोसा जाने वाला खाना खाने लायक नहीं है। शुक्रवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से संसद में रखी गई रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया कि दूषित खाद्य पदार्थों, रिसाइकिल किया हुआ खाद्य पदार्थ और डिब्बा बंद व बोतलबंद वस्तुओं का उपयोग उस पर लिखी इस्तेमाल की अंतिम तारीख के बाद भी किया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि रेलवे की फूड पॉलिसी में लगातार बदलाव होने से यात्रियों को बहुत ज्यादा परेशानियां होती हैं।

'साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम नहीं'

एक निरीक्षण से पता चला है कि खान-पान की तैयारी के दौरान साफ-सफाई का उचित ध्यान नहीं रखा जाता है। इतना ही नहीं खाना या अन्य सामान लेने के बाद ग्राहक को बिल भी नहीं दिया जाता। रेलवे और CAG की ज्वाइंट टीम

ने 74 स्टेशनों और 80 ट्रेनों का निरीक्षण किया और पाया कि खाना बनाने के लिए अशुद्ध पानी का इस्तेमाल किया जा रहा है। कचरे के डिब्बे को ना ही ढक कर रखा जाता है। इसके अलावा खाने को मक्खी, कीड़े-मकोड़े, चूहे और कॉकरोच से बचाने के लिए कोई पुख्ता उपाय नहीं किया जाता।

गोरक्षकों की हिंसा को लेकर SC ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

उच्चतम न्यायालय ने स्वयंभू गोरक्षकों की हिंसा की घटनाओं के संदर्भ में केंद्र एवं राज्यों से आज कहा कि वे किसी भी स्वयंभू गोरक्षकों को संरक्षण नहीं दें। न्यायालय ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हिंसा की घटनाओं पर उनसे जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति एम शांतानागौदर की 3 सदस्यीय खंडपीठ को केन्द्र ने सूचित किया कि कानून व्यवस्था राज्य का विषय है लेकिन वह देश में गोरक्षा के नाम पर किसी भी प्रकार की गतिविधियों का समर्थन नहीं करता। न्यायालय ने सोशल मीडिया पर अपलोड की गई गोरक्षा के नाम पर हिंसक सामग्री को हटाने के लिए केंद्र एवं राज्यों से सहयोग मांगा। भाजपा शासित गुजरात एवं झारखंड की ओर से पेश वकील ने न्यायालय को सूचित

किया कि स्वयंभू गोरक्षा संबंधी हिंसक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की गई है। पीठ ने उनका बयान दर्ज किया और केंद्र एवं अन्य राज्यों को हिंसक घटनाओं के संबंध में अपनी रिपोर्ट 4 सप्ताह में दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 6 सितंबर की तारीख तय की है। इस याचिका में कथित गोरक्षा समूहों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है जो कथित रूप से हिंसा कर रहे हैं और दलितों एवं अल्पसंख्यकों पर अत्याचार कर रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन ए पूनावाला ने अपनी याचिका में कहा कि इन गोरक्षा समूहों द्वारा की जाने वाली कथित हिंसा इस हद तक बढ़ गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन लोगों के बारे में कहा था कि वे समाज को नष्ट कर रहे हैं।

वडोदरा एवं भरूच के बीच मेगा ब्लॉक

राधिका यादव

मुंबई, पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के वडोदरा एवं भरूच स्टेशनों के बीच रविवार, 23 जुलाई, 2017 को अप दिशा में अनुरक्षण कार्य हेतु 13.00 बजे से 17.00 बजे तक यानी 4 घंटे का मेगा ब्लॉक लिया जायेगा। इस ब्लॉक अवधि में इस खंड पर कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी, जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है:-

23 जुलाई, 2017 को वलसाड से छूटने वाली ट्रेन सं. 59049 वलसाड-वीरमगाम पैसेंजर सूरत स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेटेड की जायेगी तथा सूरत और अहमदाबाद के बीच में निरस्त रहेगी।

23 जुलाई, 2017 को वीरमगाम से छूटने

वाली ट्रेन सं. 59050 वीरमगाम-वलसाड पैसेंजर अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेटेड की जायेगी तथा अहमदाबाद और सूरत के बीच में निरस्त रहेगी।

ट्रेन सं. 19260 भावनगर-कोचुवेली एक्सप्रेस वडोदरा मंडल पर 2 घंटे 5 मिनट के लिए रेग्युलेट की जायेगी।

गोरक्षा के नाम पर किसी तरह की हिंसा को हम सपोर्ट नहीं करते: आरएसएस

जम्मू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख मनमोहन वैद्य ने शुक्रवार को यहां गोरक्षा के मसले पर हो रही राजनीति खत्म करने को कहा। उन्होंने कहा, संघ गोरक्षा के नाम पर किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता। उन लोगों के खिलाफ एक्शन लिया जाना चाहिए, जो दोषी पाए जाते हैं।' गोरक्षा मसले पर संसद के मानसून सेशन में अपोजिशन ने हंगामा किया। कांग्रेस-सपा ने आरोप लगाया कि भीड़ की हिंसा की जो घटनाएं इस वक्त देश में हो रही हैं, उसके पीछे बीजेपी और संघ के लोगों का हाथ है। वैद्य ने कहा, गोरक्षा के नाम पर होने वाली हिंसा को संघ के साथ जोड़ने की बजाय ऐसी घटनाओं पर एक्शन लिया जाना चाहिए। जो लोग दोषी पाए जाते हैं, उन्हें सजा देनी चाहिए। कानून को अपना काम करना चाहिए। हम पहले भी साफ कर चुके हैं कि किसी भी हिंसा को हम सपोर्ट नहीं करते।

सैकड़ों साल से चल रहा है गोरक्षा का अभियान

उन्होंने कहा, गोरक्षा अलग मसला है। गोरक्षा अभियान सैकड़ों साल से चल रहा है। ये घटनाएं पिछले कुछ साल से हो रही हैं। ऐसा नहीं है कि ये घटनाएं पहली बार हो रही हैं। मीडिया इन घटनाओं को किसी एक आइडियोलॉजी से जोड़ने और अपोजिशन इस मुद्दे पर राजनीति की कोशिश कर रहा है। इस मुद्दे पर राजनीति करना और समाज के किसी एक हिस्से का अपमान करना, अच्छी बात नहीं है।

हिंसा करने वालों को सुरक्षा ना दें सरकारें: सुप्रीम को

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा, केंद्र और राज्य सरकारें हिंसा करने वालों को किसी तरह की सुरक्षा ना दें। गोरक्षा के नाम पर होने वाली हिंसा पर सरकारें एक्शन लें। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कानून-व्यवस्था राज्यों का मसला है, लेकिन केंद्र देश में किसी भी तरह की हिंसा को सपोर्ट नहीं करता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप कहते हैं कि कानून-व्यवस्था राज्यों का मसला हैं और वो कानून के हिसाब से कद उठा रहे हैं। आप किसी भी तरह की हिंसा को प्रोटेक्शन ना दें।

योगी आदित्यनाथ सरकार 23 से गरीबों को मुफ्त में देगी बिजली कनेक्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश के गरीबों को 23 जुलाई से मुफ्त में बिजली का कनेक्शन देगी। इसके लाभ बीपीएल कार्ड धारकों को मिलेगा। इसके साथ ही कैम्प लगाकर सुगम संयोजन का काम भी किया जाएगा। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री तथा सरकार के प्रवक्ता श्रीकांत शर्मा ने बताया कि कहा कि मुख्यमंत्री ने 23 जुलाई को बीपीएल परिवारों को मुफ्त कनेक्शन व सुगम संयोजन देने के कैम्प में सभी दलों के विधायकों से शामिल होने का अनुरोध किया है। प्रदेश सरकार के एक विशेष अभियान के तहत बिजली कनेक्शन के दस्तावेज मुफ्त में बांटे जाएंगे। बिजली कनेक्शन शहर और गांव दोनों ही जगहों के बीपीएल परिवारों को मिलेंगे। बीपीएल परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन जन प्रतिनिधि 23 जुलाई को देंगे। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि पहले बिजली कनेक्शन लेना बेहद महंगा था। हमने गांव के साथ ही शहरी बीपीएल परिवारों को भी मुफ्त कनेक्शन प्रदान किया है। हमने हर प्रकार की शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर नंबर शुरू किया है। सरकार विशेष अभियान चलाकर सभी जिलों में बीपीएल परिवारों को बिजली के मुफ्त कनेक्शन दे रही है।

भाजपा विधायक का गनर व नौकर दुष्कर्म के प्रयास में गिरफ्तार

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी के बेहद सुरक्षित माने जाने वाले बटलर पैलेस में एक लड़की से छेड़छाड़ के बाद दुष्कर्म का प्रयास किया गया। बटलर पैलेस कालोनी में आइएएस व आइपीएस अधिकारियों के साथ ही तमाम मंत्रियों के साथ ही विधायक रहते हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। भारतीय जनता पार्टी के वाराणसी कैंट से विधायक सौरभ श्रीवास्तव के गनर तथा नौकर ने इस सुरक्षित क्षेत्र में आज घरों में काम करने वाली एक युवती के साथ छेड़छाड़ के बाद दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़ित युवती ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उनको हिरासत में लिया है। अब मामले की जांच की जा रही है। लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली के वीवीआईपी क्षेत्र कहे जाने वाले बटलर पैलेस विधायक निवास में आज एक लड़की से गैंगरेप के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोप है कि भाजपा विधायक के गनर ने वहां काम करने वाली लड़की को बहाने से बुलाकर जबरन पकड़ अपने दो साथियों के साथ गैंगरेप का प्रयास किया। विरोध करने पर तीनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। जब इस बात की जानकारी भाजपा विधायक को हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना देकर तीनों को गिरफ्तार करवा दिया। इस मामले में हजरतगंज पुलिस पीड़िता के घरवालों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस को दी गई तहरीर में युवती ने कहा कि आज तड़के करीब तीन बजे सी-47 बटलर पैलेस निवासी विधायक सौरभ श्रीवास्तव का नौकर सोहन लाल घर पर आया। उसने बताया कि गनर मनोज तिवारी ने पूछताछ के लिए बुलाया है। मां के साथ जब विधायक के आवास पर पहुंची तो गनर मनोज तिवारी ने मां को कमरे से बाहर जाने को कहा और मुझसे पूछा कि भाई संतोष कहां है। जब मैंने कहा कि वह तो घर पर है, तो उसने कहा कि संतोष के नाम पर गिरफ्तारी का वारंट है। अगर उसको बचाना है तो फिर दस हजार रुपए खर्च करने होंगे। युवती ने जब रुपया नहीं होने की बात कही तो उसने कहा कि तुम कमरे में ही हम दोनों के साथ सो जाओ। जब भागने का प्रयास किया तो दोनों से हाथ पकड़ लिया और शरीर पर कई जगह नाखून से निशान बना दिए। इसके बाद कपड़े फाडने का प्रयास किया। मेरे चिल्लाने के बाद मां अंदर आ गई और मुझे बाहर खींच कर शोर मचा दिया। इसके बाद वहां पर काफी लोग एकत्र हो गए।

आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होगा तो शराब के केस में आसानी से मिलेगी जमानत

पटना। पटना हाइकोर्ट ने के जस्टिस डॉ रवि रंजन की एकलपीठ ने कहा कि किसी व्यक्ति का कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा हो और वह शराबबंदी मामले में गिरफ्तार किया गया हो, तो उसे नियमित जमानत दी जा सकती है। कोर्ट ने अधिकतर मामलों में अभियुक्त को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही उन्होंने शराब के रिकॉर्ड 200 से अधिक मामलों का निष्पादन किया। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि शराब निरोधक कानून बनाने वाले ही इसका उल्लंघन करें, तो ऐसे लोगों को मेरी समझ में जमानत नहीं मिलनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आपराधिक इतिहास छिपा कर जमानत हासिल करने पर वह अपने आदेश को वापस भी ले सकता है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह पटना हाइकोर्ट के जस्टिस अश्विनी कुमार सिंह की एकलपीठ ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह स्पष्ट किया था कि शराब के मामले में अभियुक्त बनाये गये लोगों को अग्रिम जमानत नहीं मिलेगी।

बिहार में सस्ती होगी बिजली

पटना। बिहार के लोगों के लिए एक बड़ी खबर है, खासकर उन लोगों के लिए जो महंगी होती बिजली के कारण परेशान हैं। अब उपभोक्ताओं को बिजली सस्ती मिलेगी। यह जीएसटी का प्रभाव है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जीएसटी से बिहार को सस्ती बिजली मिलेगी, पांच से दस पैसे प्रति यूनिट बिजली सस्ती होगी, कोयले पर टैक्ट में कटौती से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। बताया जा रहा है कि जीएसटी लागू होने के बाद सबसे ज्यादा कोयले की कीमत में कमी हुई है। कोयले पर लगने वाले टैक्स के दर में काफी कटौती हुई है। इस कटौती का सीधा असर बिजली कंपनियों पर पड़ेगा, जब उन्हें कोयले की आपूर्ति सस्ते में होगी, तो स्वाभाविक है कि बिजली सस्ती मिलेगी।

जीएसटी लागू होने के बाद कोयले पर लगने वाला टैक्स 11.7% से घटकर 5% हो गया है। साफ है कि थर्मल एनर्जी का खर्च कम होगा तो बिजली की दरों पर भी उसका असर होगा। इस टैक्स कटौती के बाद बिजली के दरों में साफ कटौती होना स्वाभाविक है।

सूरज डूबने के बाद इस किले में रूकना नहीं खतरे से खाली

देश में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक जगहे हैं। देश से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी भारत में घूमने के लिए हर साल भारी तादाद में पर्यटक आते हैं। यहां पर खूबसूरत पहाड,नदीयां,झीलों के अलावा ऐतिहासिक और प्राचीन इमारतें भी हैं जो टूरिस्टों की खास अट्रैक्शन बने हुए हैं। यहां पर कुछ किले ऐसे भी हैं जो प्रचीन और खूबसूरत होने के साथ-साथ भूत-प्रेतों के लिए भी जाने जाते हैं। आज हम जिस किले की बात कर रहे हैं वह राजस्थान में स्थित है। इस किले का नाम भानगढ़ है और यह 'भूतो का भानगढ़' नाम से भी मशहूर है। सरकार ने इसकी कहानियों के कारण रात को यहां रुकने पर बैन लगा दिया है। कहां जाता है कि यहां पर रात को रूकने से जान को खतरा भी हो सकता है। आइए जानें इसके बारे में कुछ दिलचस्प बातें।

1. भानगढ़ का किला

राजस्थान के अलवर जिले में स्थित भानगढ़

का किला राजा भगवंत दास ने 1573 में बनवाया था। बाद में उनके छोटे भाई ने इसे अपनी राजधानी बना लिया। भानगढ़ का किला तीन तरफ से अरावली की पहाड़ियों से घिरा हुआ है। सावन के दिनों में यहां पर बहुत हरियाली देखने को मिलती है। इसके अलावा यहां पर बहुत पुराने और भव्य मंदिर भी बने हुए है।

2. तांत्रिक सिंधु सेवड़ा का श्राप

कहा जाता है यहां कि राजकुमारी रत्नावती बहुत सुंदर थी, जिसे तांत्रिक अपने वश में करना चाहता था लेकिन वो खुद ही इसका शिकार होकर मर गया। उसने मरने से पहले उसने भानगढ़ को श्राप दे दिया। कुछ समय बाद ही दूसरे देश के साथ युद्ध में भानगढ़ के सारे लोग मारे गए और किला वीरान हो गया। ऐसा माना जाता है कि उनकी सभी की आत्माएं अभी भी इस किले में भटकती हैं। जिनको रात के अंधेरे में कुछ लोग महसूस भी कर चुके हैं।

3. भानगढ़ के मंदिर

भानगढ़ का पुरा किला वीरान हो चुका है लेकिन यहां के मंदिर वैसे के वैसे ही हैं। यहां पर भगवान सोमेश्वर, गोपीनाथ, मंगला देवी और केशव राय के मंदिर बने हुए हैं। यहां के सारे मंदिरों में से मुर्तिया गायब हो चुकी हैं। सिर्फ सोमेश्वर महादेव के मंदिर में शिवलिंग मौजूद है। ऐसा कहा जाता है कि महल की सीढ़ियों के बिल्कुल पास भोमिया जी का स्थान है, जिस वजह से भूत महल के अंदर ही रहते हैं।

मरीज की गिटार बजाते हुये सर्जरी देखी है क्या

यह अजीबो गरीब मामला बैंगलुरु के एक अस्पताल का है। बैंगलुरु में ब्रेन की सर्जरी के दौरान एक मरीज गिटार बजाते हुये नजर आया। बैंगलुरु के एक अस्पताल में 32 साल का युवक ऑपरेशन टेबल में म्यूजिशियन बनता दिखाई दिया। उस टेकी को न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर की शिकायत थी। डॉक्टरों ने उसे ऑपरेशन करने की सलाह दी थी। ढेढ़ साल पहले जब वो शख्स गिटार बजा रहा था। तब उसकी मांसपेशियों में दर्द हुआ। जिससे इस बीमारी का पता लगा। ऑपरेशन टेबल पर जब सर्जन उसकी ब्रेन की कुछ मांसपेशियों को जला रहे थे तो वो गिटार बजा रहा था। जिससे पता चल सके की कहां बीमारी है। इस बीमारी को डायस्टोनिया कहते हैं। ये बीमारी महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होती है। इस बीमारी में आपके शरीर के काफी हिस्से प्रभावित होते हैं। ऑपरेशन के दौरान उसकी मांशपेशियों को झटके दिए जा रहे थे। ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. संजव सीसी ने कहा है कि उसे समस्या उस समय आती थी जब वह गिटार बजाता था। ऐसे में हमारे लिए प्रॉब्लम और उसकी सही जगह समझना बेहद जरूरी था। करीब 7 घंटे की सर्जरी के बाद वो ठीक हो गया। यह अपनी तरह की पहली सर्जरी थी जिसमें गिटार बजाते हुये सर्जरी पूरी की गई।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। प्रतिद्वंद्वी परेशान करेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। बड़ों की चिंता रहेगी।

सिंह
पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। बकाया वसूली होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश लाभप्रद रहेंगे।

धनु
जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी बाधा दूर होगी। विपत्ति का सामना करना पड़ सकता है, धैर्य रखें।

वृष
घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शुभ समाचार मिलेंगे। स्वाभिमान बना रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। क्लेश होगा।

कन्या
चोट व रोग से बचें। नवीन योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर
जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आय के नए स्त्रोत प्राप्त होंगे। संपत्ति की खरीदी संभव है।

मिथुन
परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। रोजगार मिलेगा। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। शत्रु शांत रहेंगे।

तुला
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य सफल रहेंगे। निवेश व यात्रा मनोनुकूल रहेंगे। शरीर कष्ट संभव है।

कुंभ
आज का भविष्य : विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
कानूनी अड़चन सामने आएगी। अपव्यय होगा। तनाव व चिंता रहेंगे। जोखिम व जमानत से बचें।

वृश्चिक
अज्ञात भय सताएगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। अपरिचितों पर अतिविश्वास हानि देगा।

मीन
घर-परिवार की चिंता रहेगी। व्यर्थ समय नष्ट होगा। शोक समाचार मिल सकता है। विवाद न करें।

बकरी ने दिया अजीबोगरीब बच्चे को जन्म, देखकर सब हो गए शॉक्ड

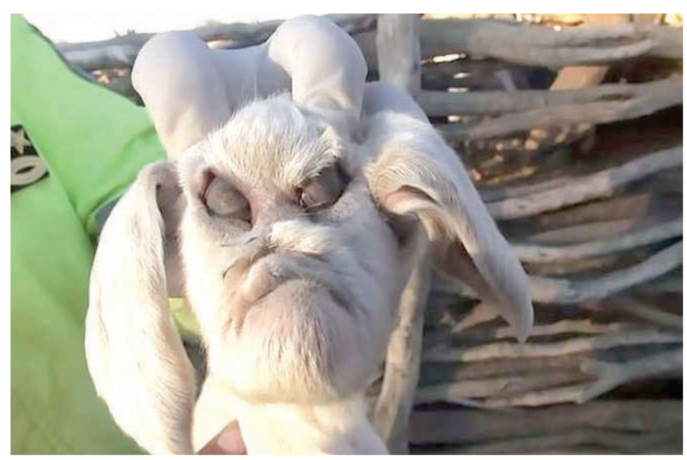

अर्जेंटीना के सैन लुईस प्रांत में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दरअसल, ग्लेडिस ओवीडियो नामक महिला के यहां एक बकरी ने अजीबोगरीब बच्चे को जन्म दिया है। इस बच्चे को देखने के बाद हर कोई शॉक्ड है ये है पूरा मामला...

एक अंग्रेजी वेबसाइट के मुताबिक, हाल ही में ग्लेडिस के फार्म में एक बकरी ने बच्चे को जन्म दिया। ग्लेडिस ने बताया कि बच्चे का बॉडी नॉर्मल है। लेकिन, उसकी आंखें और सिर काफी अजीबोगरीब है। इस बच्चे को देखकर हर कोई शॉक्ड है। वहीं, ग्लेडिस की बेटी ने उसकी फोटो जैसे ही सोशल साइट पर अपलोड की, देखते ही देखते वायरल हो गई। वहीं, कुछ लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को देते हुए बताया कि यहां के एक फार्म में एक अजीबोगरीब जीव का बच्चा दिखा है और जांच करने की बात कही। आलम ये है कि पूरे इलाके और अर्जेंटीना में बकरी का यह बच्चा आकर्षण का केन्द्र बन चुका है।

ये हैं थाइरॉयड के संकेत, इन्हें न करें इग्नोर

थाइरॉयड हमारी बॉडी में पाई जाने वाली एंडोक्राइन ग्लैंड में से एक होती है। गले में मौजूद यह ग्लैंड थाइरॉक्सिन हॉर्मोन बनाती है, जो कई तरह से बॉडी फंक्शन्स पर असर डालती है। इससे ग्रस्त मरीज को हर रोज दवा का सेवन करना पड़ता है। अगर दवा बीच में छूट जाए तो इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती है। वैसे तो थाइरॉयड कई हफ्ते पहले ही संकेत देने लगता है, लेकिन कुछ लोग इसे

नजरअंदाज कर देते है जो धीरे-धीरे बीमारी का रूप ले लेता है। बेहतर है कि थाइरॉयड के शरूआती लक्षणों को पहचाना जाए और उसका समय पर इलाज किया जाएं।

1. वजन बढ़ना या घटना

अगर आपका वजन अचानक से बढ़ने लगे या बिल्कुल ही घट जाए तो आपको हाइपोथॉइराइडिज्म की शिकायत हो सकती है। इसलिए इस सकेंत को हल्के में न लें और तुरंत डॉक्टर का सलाह लें।

2. चुभन और दर्द

थाइरॉयड प्रॉबल्म होने पर ग्ले में सूजन आ जाती है। इसके अलावा सुई की चुभन जैसा हल्का सा दर्द बना रहता है। अगर आपको भी ऐसे लक्षण दिखाई देते है तो तुरंत डॉक्टर के पास जाए।

3. थकान

ज्यादा आलस आना और हर वक्त काम करते समय कमजोरी जैसा फील होना, यह सब थाइरॉयड के संकेत है।

4.बाल और त्वचा रूखी

थाइरॉयड होने पर त्वचा ड्राई होने लगती है चेहरे की चमक भी फीकी बढ़ जाती है। इसके अलावा बाल रूखे-बेजान होने लगते है।

5. दर्द की शिकायत

बिना किसी वजह से जोड़ों में दर्द रहना भी थाइरॉयड का संकेत है। इसलिए इसे मामूली दर्द समझकर बेफिकर न होकर बैठे बल्कि डॉक्टर के पास जाए।

6. डिप्रैशन

शरीर में थाइरॉक्सिन हॉर्मोन का लेवल कम होने के कारण मूड अक्सर बिगड़ा रहता है। किसी भी काम में मन नहीं लगता और दिमाग कमजोर हो जाता है।

बच्चों को सर्दी-जुकाम से ऐसे रखें दूर

मौसम में बदलाव के कारण छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी समस्याए जैसे सर्दी, खांसी, जुकाम आदि होना आम बता है। बड़ों की तुलना में छोटे बच्चे सर्दी-जुकाम जैसी परेशानियों के शिकार हो जाते है। ऐसे में बच्चों की प्रोपर केयर करनी पड़ती है, ताकि छोटा सा सर्दी-जुकाम किसी बड़ी परेशानी का सबब न बन जाए। बच्चों के त्वचा काफी नाजुक होती है जो दूषित हवा या किसी संक्रमित व्यक्ति की समीपता के कारण वह जल्दी ही रोगाणुओं के संपर्क में आ जाते हैं। इस से बच्चों को0बचाने के लिए मां-बाप कई दवाइयां लेकर आते है लेकिन उनका कोई ज्यादा असर दिखाई नहीं देता। ऐसे में आप कुछ घरेलू तरीके अपनाकर बच्चे को सर्दी-जुकाम से बचा सकते है।

1. नींबू

एक कढ़ाई में 4 नींबू के रस और उसके छिलके डाल लें। फिर इसमें 1 चम्मच अदरक और थोड़ा पानी डालकर 10 मिनट तक काढ़े। अब इस मिश्रण छानकर अलग कर लें। इस पानी में शहद मिलाकर बच्चे को दिन 2-3 बार पीने के लिए दें।

2. शहद

अगर बच्चा 1 साल या उससे छोटी उम्र का है तो एक चम्मच नींबू के रस में 2 चम्मच कच्चा शहद मिलाकर बच्चे को 2-3 घंटे के अंतराल में पिलाएं। इससे बच्चे को सूखी खांसी और सीने के दर्द से राहत मिलेगी।

3. अदरक

6 कप पानी में आधा कप बारीक कटे हुए अदरक और दालचीनी के 2 छोटे टुकड़ों को 20 मिनट तक धीमी आंच परपकाएं। इसे छानकर शहद मिला लें। इस काढ़े में बच्चे को बराबर मात्रा में गर्म -पानी मिलाकर पिलाएं।

प्याज खाने के बाद मुंह से आती है बदबू तो अपनाएं ये टिप्स

खाने की शायद ही कोई चीज हो जिसमें प्याज का इस्तेमाल न किया जाए। ज्यादातर सब्जियों में प्याज का ही तड़का लगाया जाता है और कई लोग तो स्लाद में भी कच्चा प्याज खाना पसंद करते हैं लेकिन प्याज खाने से मुंह से बदबू आने लगती है जिससे दूसरों को काफी परेशानी होती है। कुछ लोग सिर्फ इसी वजह से इसका सेवन नहीं कर पाते। ऐसे में प्याज खाने के बाद मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं।

1. पुदीना

मुंह की बदबू को दूर करने के लिए पुदीने की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो एक माउथफ्रैश का काम करता है। प्याज खाने के बाद पुदीने की 3-4 पत्तियां चबा लें।

2.राई

राई जिसे सरसों के बीज भी कहा जाता है, मुंह की बदबू को दूर करने के लिए राई भी खा सकते हैं। जब भी प्याज खाएं उसके बाद थोड़ी-सी राई को मुंह में डालकर चबाएं और फिर निगल जाएं।

3.वोडका

प्याज खाने के बाद 2 घूंट वोडका भी पी सकते हैं जिससे मुंह की दुर्गंध दूर होगी और दूसरे लोगों को कोई परेशानी भी नहीं होगी।

4.गाजर

जब भी स्लाद में प्याज का सेवन करें तो साथ में कच्ची गाजर भी शामिल करें। इन दोनों का साथ में सेवन करने से मुंह से प्याज की दुर्गंध नहीं आएगी।

5.मशरूम

जब भी मुंह से प्याज की दुर्गंध आए तो मशरूम खा लें। मशरूम की पकी हुई सब्जी तो हर समय नहीं मिल सकती। ऐसे में कच्ची मशरूम का छोटा-सा टुकड़ा भी खा सकते हैं।

तो इसलिए बढ़ रही है रेडिमेंट कपड़ों का मांग

हर कोई फैशन में अप टू डेट रहने के लिए नए-नए ट्रैंड को फॉलो करता है। इसके लिए वो रेडिमेंट कपड़ों का ही सहारा लेता है। आज के मार्डन टाइम में किसी के पास इतना समय नहीं है कि वो बाजार से कपड़ा खरीदकर दर्जी से सिलाई करवाएं। बिजी शेड्यूल के चलते ही सब रेडिमेंट कपड़े को वियर करना पसंद करते हैं।

1. फिटिंग की प्रॉब्लम नहीं

मार्किट में मिलने वाले रेडिमेंट कपड़े हर साइज में मिल जाते हैं। जिससे फिटिंग की प्रॉब्लम नहीं होती और टेलर के पास भी नहीं जाना पड़ता।

2. खरीदने में आसान

कॉलेज और ऑफिस जाने वाले लोगों के पास इतना टाइम नहीं होता की वो कपड़ा खरीदे और सिलाई करवाएं। ऐसे में वो आसानी से मिल जाने वाले रेडिमेंट कपड़ो की तरफ ही आकर्षित होते हैं। जो उन्हें असानी से मार्किट में मिल जाते है। इसके साथ ही ढेरों तरह का वैरायटी में अपने पसंद के हिसाब से कपड़े चुनने में आसानी होती है।

3. ट्रैंडी कपड़े

ट्रैंडी, कलरफुल पैटर्न, स्टाइलिश सिलाई और यूनिक डिजाइन के कारण ही रेडीमेंट कपड़े युवाओं की पसंद बन गए हैं। इसके साथ ही युवाओं को अपनी पसंद के साथ समझौता भी नहीं करना पड़ता।

4. सिलाई के बढ़ते दाम

सिलाई के बढ़ते दामों के कारण ही लोगों ने रेडिमेंट कपड़े खरीदना शरु कर दिया है। इसके अलावा कपड़ा खरीद कर दर्जी के चक्कर काटने के बावजूद भी लोगों को उनकी पसंद की चीज नहीं मिलती। इसी कारण वो बने बनाएं कपड़े खरीद लेते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फीफा अंडर-17 विश्व कप : संभावनाएं कम, लेकिन चुनौती पेश करेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 टीम के कोच लुई नॉर्टन डि माटोस छह अक्टूबर से शुरू होने वाले अंडर-17 फुटबॉल विश्व कप में मिलने वाली चुनौती से भली भांति वाकिफ हैं, लेकिन उन्हें अपने खिलाडियों पर पूरा यकीन है कि वे मैदान पर अपना शत प्रतिशत योगदान देकर सभी को प्रभावित करेंगे। भारत में आठ स्थलों पर 28 अक्टूबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत को ग्रुप 'ए' में कोलंबिया, घाना और अमेरिका के साथ रखा गया है। इसमें अमेरिकी टीम केवल एक बार अंडर-17 विश्व कप का हिस्सा होने से चूकी है। वहीं, कोलंबिया दक्षिण अमेरिका की मजबूत टीमों से एक है तथा घाना अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल है। भारत का सामना पहले मैच में अमेरिका से होगा। अंडर-17 टीम के खिलाडियों राहुल केपी और शुभम सारंगी के साथ यहां मौजूद डि माटोस ने कहा कि जब मैं टीम से जुडने के लिए यहां आया था, मैं जानता था कि यह काफी चुनौतीपूर्ण होगा। लेकिन तैयारियों के लिए हमने काफी मैत्री मैच खेले हैं, जिनमें खिलाडियों ने अपने खेल में काफी सुधार किया है और अच्छी प्रगति की है। टूर्नामेंट में मिलने वाली चुनौती और प्रतिस्पर्धा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि खिलाडियों का आत्मविश्वास बहुत जरूरी है। जहां तक टूर्नामेंट की बात है तो मैं अपनी टीम को कोई अंक नहीं दूंगा, लेकिन खिलाड़ी मैदान पर अपना शत प्रतिशत देंगे, इसका मुझे भरोसा है। हमें मालूम

है कि अमेरिका, कोलंबिया और घाना के खिलाड़ी कितने मजबूत होंगे, इसलिए सकारात्मक होना अहम है। क्या टीम ग्रुप चरण से आगे पहुंचेगी या प्रतिद्वंद्वी टीम से ड्रॉ कराने में सफल रहेगी तो माटोस ने कहा कि निश्चित रूप से हमारी टीम की संभावनाएं काफी कम हैं, जब मैंने ड्रॉ देखा तो मैंने सोचा कि जीतने की संभावना बहुत मुश्किल होगी, लेकिन हम जीत के लिए खेलेंगे। हमारी इच्छा और रवैया जीत का होना चाहिए। मेरे खिलाड़ी मैदान पर शत प्रतिशत प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि सकारात्मक हालात मैच जिता सकते हैं। अगर हम मैच में ड्रॉ कराते हैं तो यह हमारे लिए अच्छा परिणाम होगा। हम हारना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि मैं सच्चाई से वाकिफ हूं, लेकिन मेरी जिम्मेदारी है कि खिलाड़ी सिर्फ इसी टूर्नामेंट में ही नहीं, बल्कि आगे भी अच्छी फुटबॉल खेलें। पेनाल्टी से नहीं चूकने को लेकर तैयारी पर उन्होंने कहा कि हम तैयारियों के लिए इस तरह के ट्रेनिंग सत्र भी करते हैं जिसमें सिर्फ पेनाल्टी से गोल करने पर ही ध्यान दिया जाता है। इसमें सात-आठ खिलाडियों की टीम बनाकर उन्हें पेनाल्टी से गोल करने के लिए कहा जाता है और उन पर दबाव बनाते हैं ताकि वे मैच के दौरान ऐसी स्थितियों के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें। जहां तक पेनाल्टी के जरिये गोल करने की बात का संबंध है तो स्टार खिलाड़ी भी इससे चूक जाते हैं। उन्होंने कहा कि आपको तकनीक, रणनीतिक, शारीरिक और मानसिक चीजों पर ध्यान देना होता है, लेकिन सबसे अहम चीज है ध्यान की एकाग्रता। उच्च स्तर के टूर्नामेंट में यही पहलू सबसे अहम होता है। दबाव भरे क्षणों में खिलाडियों को तनाव से दूर रखने के लिए मनोचिकित्सीय सेवाएं लेने के बारे में उन्होंने कहा कि मैं खुद ही मनोचिकित्सक हूं।

यूएस ओपन में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे समीर वर्मा

अनाहीम (अमेरिका)। चोट के बाद वापसी करने वाले समीर वर्मा बुधवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन ग्रां प्रि गोल्ड बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। समीर के अलावा एचएस प्रणय और पारूपल्ली कश्यप भी इस टूर्नामेंट में उतरेंगे। इस साल सैयद मोदी ग्रां प्रि का खिताब जीतने वाले समीर कंधे की चोट के कारण पिछले महीने इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया सुपर सीरीज में नहीं खेल पाए थे। इसके बाद वीजा समय पर नहीं मिलने के कारण वह कनाडा ओपन में भी भाग नहीं ले पाए थे। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी अब यूएस ओपन में इसकी भरपाई करना चाहेगा जिसमें उनका पहला मुकाबला वियतनाम के हुआंग नाम नगुएन से होगा। एचएस प्रणय और पारूपल्ली कश्यप भी कनाडा ओपन से जल्दी बाहर होने के बाद यहां अच्छे परिणाम की उम्मीद कर रहे होंगे। कश्यप को शुरू में ही शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरियाई ली ह्यून इल से भिड़ना होगा, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय ऑस्टिया के लुका रैबर का सामना करेंगे। पुरुष सिंगल्स में भाग लेने वाले अन्य भारतीयों में अभिषेक येलेगर पहले दौर में फ्रांस के तीसरे वरीय ब्राइस लेवरडेज से, लखानी सारंग जापान के केंटा निशिमोतो से और हर्षिल दानी मेक्सिको के अतरुरो हर्नांडिस से भिड़ेंगे।

श्रीलंका को करारा झटका, कप्तान चांदीमल पहले टेस्ट से बाहर

कोलंबो। श्रीलंका को भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ठीक पहले करारा झटका लगा जब बीमारी के कारण कप्तान दिनेश चांदीमल पहले टेस्ट से बाहर हो गए। पहला टेस्ट मैच गॉल में 26 जुलाई से खेला जाना है। 27 वर्षीय चांदीमल को निमोनिया के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टीम मैनेजर असांका गुरुसिंघा ने इस बात की जानकारी की। उन्होंने कहा, हमें गुरुवार रात को इस बात की जानकारी दी गई कि चांदीमल को निमोनिया हो गया है। उन्हें शुक्रवार सुबह अस्पताल में भर्ती करायाा गया। उन्हें सप्ताहभर के आराम की सलाह दी गई है और पहले टेस्ट के बाद उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। उपुल थरंगा को उपकप्तान नियुक्त किया गया था, लेकिन चांदीमल की अनुपस्थिति में रंगना हैराथ इस मैच में टीम की कमान संभालेंगे। हैराथ ने इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ मिली 2-0 की जीत में श्रीलंका की कमान संभाली थी।

सुब्रह्मण्यम बद्रीनाथ ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से लिया संन्यास

आईपीएल में धोनी की अगुआई वाली सीएसके का भी हिस्सा रहे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर सुब्रह्मण्यम बद्रीनाथ ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। लम्बे समय तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट से जुड़े रहने वाले बद्रीनाथ ने अपने बल्ले से हजारों रन बनाए और बड़े खिलाड़ी माने गए। इसके अलावा बद्रीनाथ ने आईपीएल में भी महेंद्र सिंह धोनी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए शिरकत की। पिछले रणजी सीजन में इस 36 वर्षीय बल्लेबाज ने हैदराबाद की टीम को ग्रुप स्टेज में ऊपर लाने में अहम भूमिका अदा की थी। तेलंगाना के एक अखबार को दिए इंटरव्यू में बद्रीनाथ ने कहा कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट के लिए परिवार से दूर रहना पड़ता है, इसके साथ ही लम्बी यात्रा भी करनी पड़ती है इसलिए फिलहाल मेरा फोकस टी20 क्रिकेट पर है। गौरतलब है कि बद्रीनाथ तमिलनाडु प्रीमियर लीग में हिस्सा ले रहे हैं। 20 वर्ष तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले बद्रीनाथ ने इसे अपना व्यक्तिगत निर्णय बताया है। घरेलू क्रिकेट में रन मशीन कहे जाने वाले बद्रीनाथ ने आईपीएल के शुरूआती सत्रों में लगातार एमएस धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से प्रतिनिधित्व किया। वे इस फ्रेंचाइजी के विजेता वर्षों में भी जुड़े हुए थे। इसके अलावा उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए भी खेला है। दोनों टीमों की तरफ से उन्होंने 95 मैचों में शिरकत की। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने 10425 रन बनाए हैं, इसमें शानदार 32 शतक भी शामिल है। हालांकि भारतीय घरेलू क्रिकेट में इतना बड़ा नाम होने के बावजूद उन्हें टीम इंडिया में अधिक मौके नहीं मिले।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अभिनेत्री सनी लियोनी बनीं मां

बॉलीवुड की हॉट एक्ट्रैस सनी लियोनी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है और वो खबर ये है कि सनी लियोनी मां बन गई हैं। दरअसल, सनी ने एक बच्ची को गोद ले लिया है। जी हां, खबरों की मानें तो सनी ने एक बच्ची को गोद ले लिया है और बच्ची का नाम निशा कौर है। निशा महाराष्ट्र के लातूक जिले से है।

बता दें यह बच्ची महाराष्ट्र के लातूर की है। इसका नाम निशा कौर वेबर है।

हाल ही में उन्होंने डेनियल वेबर के संग परिवार शुरू करने से लेकर, बच्चों को

अहमियत देने तक पर खुलकर बात की थी। जब सनी से पूछा गया कि वो कब डेनियल के साथ परिवार शुरू कर रही हैं तो उनका जवाब रहा 'मुझे अगर सब अपने स्तर पर ही तय करना हो तो मैं आज ही प्रेगनेंट हो जाऊं।

लेकिन ऐसा नजदीक में होता नजर नहीं आ रहा है। खुदा चाहेंगे तो एक दिन जरूर मेरा परिवार होगा, वैसे जीवन में कब-क्या हो जाए कहा नहीं जा सकता। हो सकता है कि किसी दिन में आपको बच्चे से मिलवाऊं और कहूं 'यह मेरा बेबी है'।' सनी को बच्चे बेहद पसंद हैं उन्होंने मीडिया से कहा था, 'मेरी बच्चों से खूब बनती है. वाकई हम दिल से मिलते हैं.. लगभग पागलों के जैसे। मुझे बच्चे बेहद प्यारे लगते हैं। खुशकिस्मत रही तो एक दिन मेरी गोद में भी बेबी होगा और उस दिन खुदा की खूब शुक्रगुजार रहूंगी।'

अनुष्का ने रिलीज किया JAB HARRY MET SEJAL का ट्रेलर

बॉलीवुड के अभिनेता शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा स्टारर फिल्म 'जब हैरी मेट सेजल' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस ट्रेलर में फिल्म की झलक दिखती है और यह आंकलन किया जा सकता है कि आखिरकार हैरी और सेजल के मिलने पर क्या-क्या हुआ होगा। इस ट्रेलर में जहां एक ओर शाहरुख और अनुष्का की जबरदस्त केमेस्ट्री नजर आ रही है वहीं दोनों के बीच थोड़े लव और इमोशंस को भी फील किया जा सकता है। वैसे तो पूरी स्टोरी फिल्म देखने को बाद भी बता चलेगी। लेकिन ट्रेलर देखकर यह कहा जा सकता है कि, पहले तो हैरी और सेजल एक दूसरे को पसंद नहीं करते। लेकिन सिच्वेशन उन्हें उस मोड़ पर खड़ा कर देती है कि दोनों एक दूसरे की जरुरत बन जाते हैं। बता दें शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा स्टारर अपकमिंग फिल्म ह्जब हैरी मेट सेजल को सेंसर बोर्ड की तरफ से U/A सर्टिफिकेट मिल गया है। पिछले दिनों इस फिल्म में इस्तेमाल किए गए एक शब्द इंटरकोर्स से काफी बवाल मचा था। लेकिन अब इसे दरकिनार करते हुए फिल्म को हरी झंडी दिखा दी गई है।

लारा दत्ता मिस दिवा-मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के लिए बनी गुरु

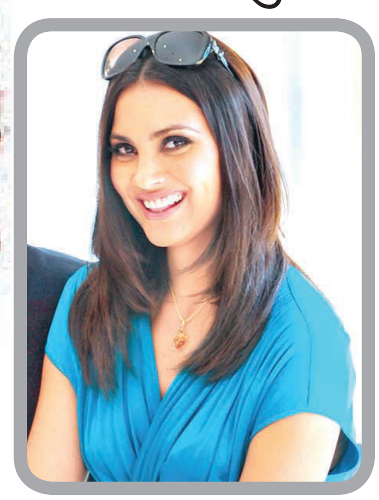

अभिनेत्री लारा दत्ता सालाना मिस दिवा-मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले उम्मीदवारों को परामर्श देने के लिए गुरु बनने को तैयार हैं। अभिनेत्री को साल 2000 में मिस यूनिवर्स के खिताब से नवाजा गया था। लारा को अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सही चेहरे की तलाश की जिम्मेदारी दी गई है। अभिनेत्री ने पिछले साल भी प्रतियोगिता में गुरु की भूमिका अदा की थी। उन्होंने कहा, मैं दोबारा यामाहा फैस्किनो मिस दिवा 2017 के नए सीजन के साथ जुड़कर काफी उत्साहित हूं। इस प्रतियोगिता के लिए ऑडीशन 5 अगस्त से लखनऊ, कोलकाता, इंदौर, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद, बेंगलूर, चंडीगढ़ और दिल्ली में होंगे और इनका अंत मुम्बई में होगा।